mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-157 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

09 जून 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

आईपीएल में अच्छा...

@ पेज 7

'मैं रहता दिल्ली में हूं, लेकिन मेरे कान तमिलनाडु में लगे रहते हैं'

मदुरै (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु के मदुरै में भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित किया। जहां उन्होंने तमिलनाडु की वर्तमान सरकार ष्ठस्न्य् पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा

● अमित शाह ने भाजपा की एक बैठक को संबोधित किया

कि पिछले चार वर्ष के कार्यकाल में डीएमके ने भ्रष्टाचार की सारी सीमाएं पार कर दी है। उन्होंने सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि ष्ठस्न्य् की सरकार ने केंद्र द्वारा दी गई 450 करोड़ रुपये की पोषण किट में जबरदस्त घपला किया है। सरकार ने इन पोषण किटों को निजी कंपनी को सौंपकर गरीबों को भोजन से वंचित किया। आगे उन्होंने कहा कि, ÷मैं रहता तो दिल्ली में ?हूं, लेकिन मेरे कान तमिलनाडु में लगे रहते हैं। यहां के मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि अमित शाह, डीएमके को नहीं हरा सकते। स्टालिन साहब आप सही कहते है, मैं डीएमके को नहीं हरा सकता, लेकिन तमिलनाडु की जनता डीएमके को हरा सकती है।÷ DMK सरकार द्वारा घोटालों की लंबी लिस्ट को गिनाते हुए कहा कि, ÷मेरे पास एमके स्टालिन सरकार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की लंबी सूची है।÷ उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्टालिन सरकार अपने चुनावी वादों में से 60 प्रतिशत भी पूरा नहीं कर पाई है। इसके साथ ही अमित शाह ने यह भी दावा किया कि डीएमके सरकार ने 4600 करोड़ रुपये के अवैध रेत खनन घोटाला किया है। जिसका असर सीधे राज्य के गरीबों पर पड़ा है और लोगों को महंगी रेत खरीदनी पड़ी और ये सभी घोटालों का पैसा पार्टी ने हड़प लिया। साथ ही, उन्होंने तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (तस्माक) घोटाले का भी जिक्र किया। जिसमें शाह ने राज्य को 39,000 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

अमित शाह के इस विशाल सभा में तमिलनाडु भर से सैकड़ों कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक में तमिलनाडु BJP के राज्य, जिला और मंडल स्तर के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। शाह का यह दौरा 2026 में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारियों को मजबूत करने और पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और भी ज्यादा सशक्त बनाने के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। अमित शाह शनिवार देर रात मदुरै पहुंचे, जहां उनका स्वागत तमिलनाडु BJP की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सौंदरराजन सहित अन्य नेताओं ने किया। रविवार सुबह उन्होंने मीनाक्षी मंदिर में दर्शन किए। मंदिर दर्शन के बाद शाह ने दिन की शुरुआत तमिलनाडु BJP की राज्य कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता के साथ की।

कोर कमेटी की बैठक में शाह ने तमिलनाडु की सत्तारूढ़ DMK सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, ÷तमिलनाडु की जनता ष्ठस्न्य् सरकार के व्यापक भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है। BJP के कार्यकर्ता हर गली, मोहल्ले और घर तक पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में NDA के समृद्ध और विकसित तमिलनाडु के विजन को जन-जन तक ले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया में भूकंप के जोरदार झटके, कांप गई धरती

बोगोटा (एजेंसी)। दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के कोलंबिया में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय समयानुसार रविवार की सुबह मध्य कोलंबिया में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। फिलहाल अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। भूकंप का केंद्र राजधानी बोगोटा से लगभग 116 मील दक्षिण-पूर्व में स्थित शहर पारटेब्यूनो से 17 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। अमेरिकी भूगर्भीय सेवा ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 8.08 बजे पर 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। वहीं कोलंबियाई भूवैज्ञानिक सेवा ने 4 से 4.6 तक की तीव्रता वाले अतिरिक्त झटकों की भी जानकारी दी, जो रुक रुककर इलाके में महसूस किए गए। आपदा जोखिम प्रबंधन की

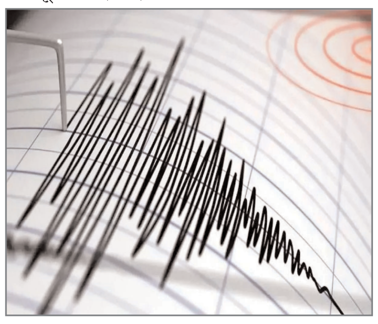

नेशनल यूनिट ने एक्स पर कहा कि वह कई नगर पालिकाओं में स्थिति का आकलन कर रही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों में बोगोटा में लोगों को भूकंप महसूस करते हुए दिखाया गया है। कुछ लोग सुरक्षा की तलाश में अपने कार्यस्थलों से बाहर निकल गए। ग्रामीण क्षेत्रों से प्राप्त फुटेज से पता चलता है कि कोई नुकसान नहीं हुआ है। बता दें कि कोलंबिया प्रशांत क्षेत्र के रिंग ऑफ फायर में स्थित है, जो लगातार भूकंपीय और ज्वालामुखीय गतिविधि के लिए जाना जाता है। भूकंप की तीव्रता को रिक्टर स्केल पर मापा जाता है। रिक्टर स्केल पर 4 से 4.9 तीव्रता के भूकंप में घर में रखा सामान अपनी जगह से नीचे गिर सकता है। 5 से 5.9 तीव्रता के भूकंप में भारी सामान और फर्नीचर भी हिल सकता है। 6 से 6.9 में इमारत का बेस दरक सकता है।

अमेरिका ने खत्म किया नेपाल का अस्थाई संरक्षित दर्जा

वॉशिंगटन/काठमांडू (एजेंसी)। अमेरिका ने नेपाल के लिए अस्थायी संरक्षित दर्जा समाप्त कर दिया है। इससे अमेरिका में रह रहे नेपालियोंकी मुश्किल बढ़ गई है। करीब 7,000 से अधिक नेपाली नागरिकों को लौटना पड़ सकता है। बता दें कि अमेरिका ने नेपाल को दिया गया अस्थायी संरक्षित दर्जा समाप्त करने का फैसला लिया है। यह दर्जा नेपाल को 2015 में आए विनाशकारी भूकंप के बाद दिया गया था। अमेरिकी गृह मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, यह दर्जा 24 जून 2025 को समाप्त हो जाएगा

और इसके बाद इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। नेपाल को यह दर्जा पहली बार शक्तिशाली भूकंप आने के दौरान दिया गया था, जिसने देश को गंभीर नुकसान पहुंचाया था। इस निर्णय के पीछे यह तर्क था कि प्राकृतिक आपदा के कारण नेपाल में सुरक्षित रूप से वापस लौटना संभव नहीं था। ञ्क्क के अंतर्गत अमेरिका में बिना किसी अन्य कानूनी दर्जे के रहने वाले लोगों को 18 महीने तक कानूनी रूप से रहने और काम करने की अनुमति मिलती है। वर्तमान में अमेरिका में लगभग 12,700 नेपाली नागरिकों को ञ्क्क प्राप्त है, जिनमें से 5,500 से अधिक लोग अब तक अमेरिका में कानूनी स्थायी निवासी बन चुके हैं। हालांकि ञ्क्क समाप्त होने के बाद, अन्य लगभग 7,000 नेपाली नागरिकों को अब संभावित रूप से अमेरिका छोड़कर वापस नेपाल लौटना होगा, जब तक कि वे किसी अन्य कानूनी तरीके से अमेरिका में रहने का आधार नहीं बना लेते।

सीएम मोहन यादव के बेटे अभिमन्यु की हुई सगाई, सामने आई तस्वीरें

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु की भोपाल में रविवार को सगाई संपन्न हो गई। सीएम मोहन यादव ने इसकी जानकारी अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट के माध्यम से दी है। सीएम ने सगाई के दौरान की तस्वीर भी शेयर की है। बता दें कि खरगोन के सेल्दा की रहने वाली डॉ. इशिता सीएम मोहन यादव के परिवार की बहू बनेंगी। सीएम हाउस में करीबी रिश्तेदारों और दोनों परिवारों के परिजनों की मौजूदगी में सगाई समारोह संपन्न हुआ। दरअसल, मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु और खरगौन के सेल्दा निवासी दिनेश यादव (पटेल) की सुपुत्री डॉ. इशिता की सगाई मुख्यमंत्री निवास पर दोनों परिवारों के परिजन और रिश्तेदारों की मौजूदगी में संपन्न हुई। मुख्यमंत्री निवास में सादा समारोह में आयोजित कार्यक्रम में पहले विधिवत पूजन किया गया। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को अंगूठी पहनकर नए जीवन में जाने की मंगल कामना की। बता दें कि डॉ. अभिमन्यु यादव मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे हैं। उनके बड़े भाई और बड़ी बहन का विवाह पहले ही हो चुका है। वहीं डॉक्टर इशिता भी चिकित्सा क्षेत्र में एमबीबीएस हैं। सीएम हाउस में आयोजित इस कार्यक्रम में सरकार के मंत्रियों समेत प्रशासनिक अधिकारियों और भाजपा के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। वहां मौजूद लोगों ने नवयुगल को उपस्थित होकर शुभकामनाएं दी।

4 घंटों में 6 की गई जान

देश में 6000 के पार हुई कोरोना संक्रमितों की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में एक बार फिर कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। देश में सक्रिय कोरोना के मामलों की संख्या 6,133 हो गई है। पिछले 24 घंटों के अंदर 6 मरीजों की मौत भी हुई है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के के अनुसार, केरल में सबसे ज्यादा कोरोना के मामले सामने आए हैं। केरल में 24 घंटों में 144 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। केरल में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 1,950 हो गई है। यह देश के कुल मामलों का लगभग आधा है। इस बीच, पश्चिम बंगाल में कोरोना के 71 नए मामले सामने आए हैं। बंगाल में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 693 हो गई है। दिल्ली में कोरोना के 21 नए मामले सामने आए हैं। दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या अब 686 हो गई है। महाराष्ट्र में कोरोना के 18 नए मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोरोना से संक्रमित मरीजों की की कुल संख्या 595 हो गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मई 2025 में कहा कि सबवेरिएंट स्न्न.7 और ह्क्क1.8.1 लोगों के बीच फैल रहा है। डब्ल्यूएचओ ने इस सबवेरिएंट को अभी तक चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि, इन स्ट्रेन के न केवल भारत में बल्कि चीन और एशिया के अन्य देशों में मामले बढ़ रहे हैं। केरल में बढ़ते कोरोना के मामलों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने सभी जिलों को निगरानी और टेस्टिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि कोविड अब मौसमी वायरल बीमारी जैसा है। घबराने की जरूरत नहीं, लेकिन सावधानी जरूरी है।

दिल्ली नेहरू विहार में नाबालिग लड़की का शव मिलने से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के नेहरू विहार में एक नाबालिग लड़की का शव मिलने से सनसनी मच गई है। शुरुआती मेडिकल टेस्ट में नाबालिग के साथ दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। लड़की के चेहरे पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। लड़की की उम्र 9.5 साल है और वह पांचवीं क्लास में पढ़ती थी। परिवार के मुताबिक लड़की अपने घर से बर्फ लेने निकली थी। तकरीब शाम 7-00 बजे जब 1 घंटे तक वह घर नहीं लौटी तो परिवार ने मोहल्ले में ही ढूंढना शुरू किया। किसी ने बताया कि उसे बगल के घर वाले फ्लैट में जाते हुए देखा है। परिवार जब वहां पहुंचा तो फ्लैट में ताला लगा हुआ था। ताला तोड़ा तो एक सूटकेस में लड़की की बॉडी मिली। लड़की के चेहरे पर चोट के निशान थे। लड़की का घर और जहां डेड बॉडी मिली उस फ्लैट के बीच में केवल तीन मकान का फासला है। पुलिस के मुताबिक 7 जून की रात दयालपुर थाने को रात आठ बजकर 41 मिनट पर एक लड़की से साथ दुष्कर्म की कॉल मिली थी। पुलिस टीम को बताया गया कि लड़की बेहोश है और उसे उसके पिता उसे जेपीसी अस्पताल में लेकर गए हैं। अस्पताल में डॉक्टरों ने नाबालिग लड़की को मृत घोषित कर दिया। शुरुआती मेडिकल जांच में दुष्कर्म की आशंका जताई गई है। क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीम मौके का मुआयना कर रही है।

ज्योति मल्होत्रा और जसबीर की गिरफ्तारी से बौखलाया नासिर ढिल्लो

पंजाब पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के शुरु होने के बाद से ही आतंकियों और इनसे जुड़े लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में देश के अंदर भी छिपे कई जासूसों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं यूट्यूबर जसबीर के गिरफ्तार होने के बाद अब पाकिस्तानी यूट्यूबर नासिर ढिल्लो काफी परेशान नजर आ रहा है। जसबीर की गिरफ्तारी के बाद नासिर ढिल्लो ने एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में नासिर ने जसबीर और ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी को गलत ठहराया है। हालांकि अब पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वालों के साथ नासिर ढिल्लो का कनेक्शन सामने आने के बाद उसके फॉलोवर्स की संख्या तेजी से घट रही है। यह भी वजह से ही नासिर ढिल्लो ने बौखलाहट में वीडियो बनाया है। दरअसल, भारत में जासूसी के आरोपी जसबीर की गिरफ्तारी से नासिर ढिल्लो बौखलाया हुआ है। भारत में पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क में पाकिस्तान के पूर्व पुलिसकर्मी और यूट्यूबर नासिर ढिल्लो का भी नाम आने के बाद नासिर ढिल्लो के सोशल मीडिया पेज पर फॉलोअर्स तेजी से कम हो रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 2000 लोगों ने नासिर ढिल्लो को अनफॉलो किया है। इसके बाद नासिर ढिल्लो ने एक वीडियो शेयर की है।

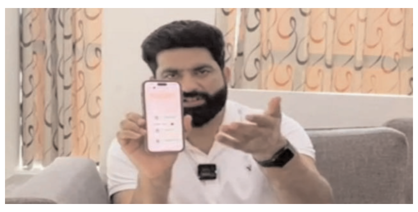

इसमें नासिर ढिल्लो ने पंजाब पुलिस की जांच पर सवाल उठाए हैं। नासिर ढिल्लो ने पंजाब के डीजीपी का नाम लेकर सवाल उठाए हैं। नासिर ढिल्लो ने पाकिस्तान से वीडियो जारी कर पंजाब के डीजीपी से माफी मांगने को कहा है। वहीं इस वीडियो भी नासिर ढिल्लो ने माना कि वो जसबीर के संपर्क में था। नासिर ढिल्लो ने कबूल किया कि 2024 से जसबीर की गिरफ्तारी तक दोनों के बीच लगातार बातचीत हुई। नासिर ढिल्लो, जसबीर से हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग करता था। नासिर ढिल्लो ने दानिश को पाक अम्बेसडर का पीए बताया है। इसके अलावा जसबीर और ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी से बौखलाए नासिर ढिल्लो ने कहा कि पाकिस्तान की सही तस्वीर दिखाने पर ज्योति मल्होत्रा और जसबीर पर कार्रवाई हुई है। उसने कहा है कि जसबीर की गिरफ्तारी पंजाब में फूट डालने की कोशिश है।

गुलदस्ता फेंक कर आगे बढ़ गई मंत्री जी

यूजर्स ने कैबिनेट मंत्री के व्यवहार और शिष्टाचार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री सविता एस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एक जिला अधिकारी पर गुस्से में बुके फेंकती नजर आ रही हैं। यह घटना तीन दिन पहले की बताई जा रही है, लेकिन वीडियो अब सामने आने के बाद मंत्री के व्यवहार की आलोचना हो रही है।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना एक पेंशन वितरण कार्यक्रम के दौरान की है। मंत्री सविता ने जिला अधिकारी प्रभावती से निर्वाचन क्षेत्र में पहले चरण में वितरित किए गए मुफ्त गैस सिलेंडरों की संख्या के बारे में जानकारी मांगी। हालांकि, अधिकारी इस सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई, जिससे मंत्री नाराज हो गई।

वीडियो में देखा जा सकता है कि मंत्री को गुस्सा आ गया और उन्होंने बुके फेंक दिया, जो अधिकारी ने उन्हें भेंट किया था। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो को

लेकर लोग अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई यूजर्स ने एक कैबिनेट मंत्री के तौर उनके व्यवहार और शिष्टाचार पर सवाल उठाए हैं।

9 ब्रह्मोस और क्रिस्टल मेज मिसाइलों ने उड़ाए पाकिस्तान के होश

ऑपरेशन सिंदूर पर नया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में पर्यटकों पर हमले का बदला लेने के लिए भारतीय आर्म्ड फोर्स ने जिस ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला किया, उसपर नए खुलासे हुए हैं। भारतीय सेना ने लश्कर और जैश के मुख्यालय पर अलग-अलग मिसाइलों से हमला किया था। इसके साथ ही पाकिस्तान के साथ चार दिनों तक चली झड़प में किन हथियारों का इस्तेमाल किया गया और कितना नुकसान हुआ इसकी भी जानकारी सामने आई है। भारत ने कुल 19 ब्रह्मोस मिसाइलों और क्रिस्टल मेज मिसाइलों के जरिए पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े योजनाकारों और सैन्य प्रमुखों ने ऑपरेशन सिंदूर के एक महीने पूरे होने का जश्न भी मनाया है। इस दौरान कि रक्षा मंत्रालय ने

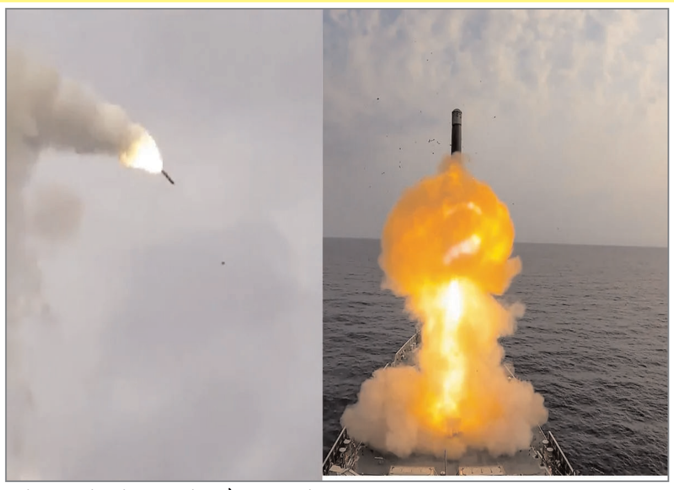

तीनों सेनाओं को हथियारों और मिसाइलों की नई खेप खरीदने की इजाजत दे दी है। इसमें लम्बी दूरी की लोइटरिंग गोला-बारूद, आर्टिलरी शेल, कामिकाजे ड्रोन और बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइलें शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक सेना की कार्रवाई और सैटेलाइट तस्वीरों से इस बात की पुष्टि हुई है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और स्-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के चार लड़ाकू विमानों (चीन निर्मित) और दो बड़े विमानों (संभवतः एक ष्ट-130छ्व और एक स्र्क्क2000 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम) को मार गिराया। सूत्रों ने यह भी बताया कि कि सरगोधा, रफीकी, जैकबाबाद और नूर खान (चकलाला, रावलपिंडी) सहित 11 एयरबेसों पर भारतीय वायुसेना के मिसाइल हमले के दौरान दो एफ-16 लड़ाकू विमान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि भारत के राफेल लड़ाकू विमानों, एस-400 मिसाइल सिस्टम और एम777 हॉवित्जर ने चार दिनों के संघर्ष के दौरान खुद को बखूबी साबित किया। रिपोर्ट के मुताबिक इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि 7 मई को भारत का पहला आतंकवाद विरोधी हमला सफल रहा।

पुलिसकर्मी बनने के लिए आधार कार्ड वेंडर के साथ मिलकर किया घोटाला

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के भोपाल में पुलिस भर्ती की परीक्षा देने वाले 22 उम्मीदवारों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। आरोप है कि इन उम्मीदवारों ने आधार कार्ड के साथ छेड़छाड़ कर परीक्षा में किसी और को बैठा दिया। इसके बाद फिजिकल वेरिफिकेशन के समय दूसरा इंसान सामने आया। शुरुआती जांच में सारे रिकॉर्ड ठीक थे, लेकिन जब परीक्षा के समय दिए गए आधार कार्ड से मिलान किया गया तो पूरा फर्जीवाड़ा सामने आया। कई उम्मीदवारों के फिंगरप्रिंट मेल नहीं खा रहे थे। इसके बाद सभी आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं।

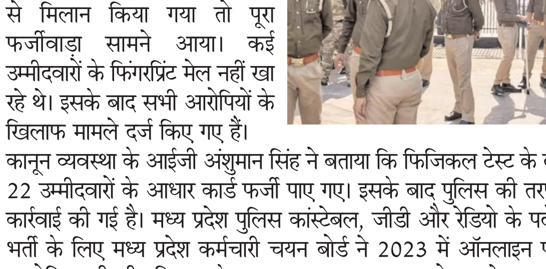

कानून व्यवस्था के आईजी अंशुमान सिंह ने बताया कि फिजिकल टेस्ट के दौरान 22 उम्मीदवारों के आधार कार्ड फर्जी पाए गए। इसके बाद पुलिस की तरफ से कार्रवाई की गई है। मध्य प्रदेश पुलिस कांस्टेबल, जीडी और रेडियो के पदों पर भर्ती के लिए मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड ने 2023 में ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की थी। रिजल्ट के आधार पर चयन शाखा भोपाल ने 2024 में चयनित उम्मीदवारों का फिजिकल टेस्ट लिया, जिसमें गड़बड़ी का खुलासा हुआ। आईजी के अनुसार फिजिकल टेस्ट के दौरान चयन समिति को पता चला कि पांच उम्मीदवार फर्जी आधार कार्ड के साथ परीक्षा में शामिल हुए थे। जांच करने पर अलग-अलग जिलों में कुछ मामले देखे गए हैं, जिनमें (आधार कार्ड में) अंतर पाया गया है। इसके आधार पर अब तक 21 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 22 उम्मीदवार आरोपी हैं।

राज्य सरकार संकट की घड़ी में श्रीमती सोनम रघुवंशी के परिवार के साथ है-मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मेघालय घूमने गए इंदौर के नवविवाहित दंपती के साथ हुई दुर्घटना पर मेघालय के मुख्यमंत्री श्री कॉनराड के. संगमा से चर्चा की। उन्होंने इस संबंध में सीबीआई जांच आदेशित करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से आग्रह किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर की गई पोस्ट में कहा कि राज्य सरकार संकट की घड़ी में श्रीमती सोनम रघुवंशी के परिवार के साथ खड़ी है। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मेघालय के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। श्रीमती सोनम रघुवंशी की सुरक्षित वापसी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि श्रीमती सोनम और उनके पति श्री राजा रघुवंशी शिलॉन्ग घूमने गए थे। यहां दोनों के लापता होने पर एनडीआरएफ और पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया, जिसके 8 दिन बाद श्री राजा रघुवंशी का शव एक गहरी खाई में मिला। श्रीमती सोनम रघुवंशी की तलाश जारी है।

भोपाल में 10 जून से शुरू होगा आम महोत्सव 8.0

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजधानी भोपाल के बिट्टन मार्केट स्थित नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में 'राज्य स्तरीय आम महोत्सव 8.0' की शुरुआत 10 जून से होगी। 14 जून तक चलने वाले इस आयोजन में मध्यप्रदेश के आदिवासी जिलों से लाए गए प्राकृतिक रूप से पके रसायनमुक्त आमों की 15 से अधिक किस्में बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगी। इस वर्ष महोत्सव की खास बात यह है कि पहली बार दुर्लभ नूरजहां आम बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया गया है। इससे पहले यह आम केवल प्रदर्शनी के लिए रखा जाता था। इस आम की कीमत 2,000 प्रति किलो है और इसका वजन 1.1 किलो से अधिक का होता है। नूरजहां आम का उत्पादन केवल आलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा क्षेत्र में होता है, जहां इसकी खेती केवल 10 पेड़ों पर होती है। यह आम इतना भारी होता है कि हल्की हवा से भी गिर सकता है, इसलिए इसकी खेती एक चुनौती है। रीवा जिले के गोविंदगढ़ क्षेत्र से लाया गया त्ळ्ढ टैग प्राप्त सुंदरजा आम भी खास आकर्षण रहेगा। यह आम फाइबर-फ्री होता है और शुगर मरीजों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इसकी मिठास और गुणवत्ता इसे विशेष बनाती है। नाबार्ड की चीफ जनरल मैनेजर सी. सरस्वी ने बताया कि वाड़ी परियोजनाओं से जुड़े आदिवासी परिवारों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना, उनकी आजीविका को सशक्त करना और विपणन कौशल विकसित करना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। आम महोत्सव वाड़ी से थाली तक की अवधारणा को साकार करता है।

50 हजार सरकारी कर्मचारियों की सैलरी ट्रेजरी से नहीं निकाली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र के करीब 50 हजार सरकारी कर्मचारी वित्त विभाग के लिए रहस्य बन गए हैं। इन कर्मचारियों की सैलरी पिछले 6 महीने से सरकारी खजाने से नहीं निकाली गई है। सरकारी रिकॉर्ड में इनके कोड एक्टिव हैं। 230 करोड़ रुपए खजाने में अटके पड़े हैं। इनकी सैलरी कभी भी आहरित की जा सकती है। इधर, मामला सामने आने के बाद देशभर के विपक्षी दल सरकार पर हमलावर है। टीएमसी ने इसे बड़ा घोटाला बताते हुए पूछा कि वेतन घोटाले पर ईडी, आयकर और सीबीआई सो रही हैं। वहीं कांग्रेस ने कहा कि ये सभी घोस्ट एम्पलाई हैं। न इनकी पहचान है, न उपस्थिति। दरअसल, 23 मई को मप्र के ट्रेजरी और अकाउंट्स विभाग के कमिश्नर भास्कर लक्षकार ने प्रदेश के सभी जिला कोषालय अधिकारी को एक लेटर लिखा था। इसमें सभी अफसरों से सर्टिफिकेट मांगा गया है कि उनके ऑफिस में कोई अनधिकृत कर्मचारी काम नहीं कर रहा।

आयुष्मान कार्ड हर गरीब व्यक्ति के लिए इलाज का गारंटी कार्ड : उप मुयमंत्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मंदसौर जिले के ग्राम घटावदा एवं लिंबावास में 8 करोड़ 59 लाख 65 हजार के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम घटावदा में 4 करोड़ 60 लाख 28 हजार रुपए की घटावदा से कोचवी वाया तोपाखेड़ा बालाजी पंहुच मार्ग का भूमि-पूजन किया। उन्होंने 1 करोड़ 75 लाख 53 हजार की घटावदा से बलकेश्वर महादेव पहुंच मार्ग का लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने ग्राम लिम्बवास में 2 करोड़ 23 लाख 84 हजार रु से निर्मित होने वाले लिम्बवास से आपुखेड़ी मार्ग का भूमि- पूजन भी किया।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने ग्राम लुनाहेड़ा में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर उन्होंने पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सभी लोग अधिक से अधिक पेड़ लगाए, पर्यावरण की रक्षा करें। जल का संरक्षण करें। स्वच्छ भारत अभियान में भाग ले। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि आयुष्मान कार्ड गारंटी कार्ड है। यह प्रत्येक पात्र गरीब व्यक्ति को इलाज की गारंटी है। कार्ड के माध्यम से 5 लाख तक का निशुल्क इलाज होता है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से बीमार व्यक्ति देश के किसी भी चिकित्सालय में अपना इलाज करा सकता हैं। उन्होंने कहा कि हर गांव को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम सरकार ने किया है। सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाएं के निर्माण से हर खेत तक पानी पहुंचाया जा रहा है। आने वाले समय में हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचेगा। हर घर में नल से शुद्ध पीने का पानी मिलेगा। सरकार द्वारा किसानो को किसान सम्मान निधि प्रदान की जा रही है। किसानों को बिना ब्याज के ऋण, प्रधानमंत्री आवास, गैस कनेक्शन जैसी अनेक योजनाएं के लाभ सीधे मिल रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रत्येक नागरिक के जन्म से लेकर मृत्यु तक की योजनाएं बनाई है। जिसमें सभी पात्र व्यक्तियों को लाभ मिल रहा है।

इस अवसर पर राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, श्री राजेश दीक्षित, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, श्री मदनलाल राठौर, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

सीहोर में सोया किसान सम्मेलन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सीहोर जिले के सिरादी ग्राम पंचायत में सोया किसान सम्मेलन का आयोजन सॉलिडेरिडाड, सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, यूपीएल लिमिटेड, आईसीएआर-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय-आरएबीआई, भारतखंड कंसोर्टियम और ग्राम पंचायत सिरादी की संयुक्त भागीदारी से आयोजित किया गया। आयोजन का उद्देश्य सोयाबीन फसल की उन्नत तकनीकी एवं रीजनेरेटिव पद्धति से संरक्षित पर्यावरण अनुकूलता सुनिश्चित करते हुए अधिकतम उत्पादन प्राप्त करना।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुरेश मोटवानी, महाप्रबंधक सॉलिडेरिडाड ने बताया कि जलवायु-अनुकूल भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से यूरोपियन-भारत साझेदारी कार्यक्रम के तहत पुनर्नियोजी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए साझा मंच निर्मित किया गया। सम्मेलन में आगामी खरीफ मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों और वैज्ञानिकों के बीच सार्थक सत्रों और संवादों की श्रृंखला चलाई गई।

किसानों को रीजनेरेटिव कृषि पद्धतियों के प्रमुख सिद्धांतों, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण और रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम करने के बारे में जागरूक किया गया। भारत सरकार की यह पहल राष्ट्रीय खाद्य तेल-तिलहन मिशन की महत्वाकांक्षा के साथ सीधे तालमेल रखती है, जो टिकाऊ और उत्पादक सोयाबीन खेती के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

नदियों के उदगमों को करें संरक्षित, इनमें होती है भरपूर ऊर्जा : मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को रहटगांव तहसील के ग्राम खूमी में स्थित अजनाल नदी के उद्गम स्थल पर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। मंत्री श्री पटेल ने अजनाल नदी के उद्गम स्थल पर वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधियों के साथ पीपल, बरगद एवं नीम के पौधे लगाए। उन्होंने अधिकारियों को नदी के उद्गम स्थल के आसपास और अधिक पौधे लगाने, तथा लगाए गए पौधों को संरक्षित करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में सबसे अधिक नदियों के उद्गम स्थल हैं। हमारे प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। हमें नदियों के उद्गम स्थलों को संरक्षित करना चाहिए, नदियों के उद्गम स्थल पर भरपूर ऊर्जा होती है। उन्होंने कहा कि नदियों के आसपास ट्यूबवेल उत्खनन तथा वृक्षों की कटाई के कारण कई नदियां नष्ट होने के कगार पर हैं। नदियों के स्त्रोतों को जिंदा रखना जरूरी है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हम नदियों के स्त्रोतों को नष्ट कर रहे हैं और नहरों का पानी नदियों में डालकर खुश हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भरपूर नदियां होने के बावजूद यहां का जल-स्तर घटना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता नदियों के संरक्षण की है। ज़रूरी है कि नदियों के किनारे वृक्ष लगाएं। मंत्री श्री पटेल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बड़वानी से खूमी रोड के साइड शोल्डर भरवाएं।

भोपाल में कुर्बानी का 200 टन अवशेष प्लांट पर भेजा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में ईदुल अजहा (बकरीद) पर नगर निगम ने कुर्बानी का करीब 200 टन अवशेष एकत्रित किया। जिसे आदमपुर छावनी स्थित रेंडरिंग प्लांट भेजा गया। यहां इससे मुर्गी और बिल्लियों के लिए दाना तैयार किया जाएगा। दूसरे दिन, रविवार को भी टीमें मैदान में तैनात की गई है। 110 जगहों पर कंटेनर रखे गए हैं। वहीं, बायो वेस्ट फेंकने पर 15 हजार का जुर्माना भी किया गया है।

स्वच्छता मित्र इम्तियाज खान ने बताया कि नगर निगम और उनकी टीम मैदान में है। पहले दिन जितना अवशेष एकत्रित हुए। उसे रेंडरिंग प्लांट में पहुंचाया जा चुका है। रविवार को भी टीमें लोगों पर नजर रख रही है। तालाब किनारों पर भी टीमें तैनात हैं। ताकि, यदि कोई अवशेष फेंकता मिला तो तत्काल कार्रवाई हो सके। अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों को रोका जा चुका है।

ऐसा पहली बार हो रहा है, जब रेंडरिंग प्लांट में सारा वेस्ट जा रहा है। इससे मुर्गी-बिल्लियों के लिए दाने बनाए जाएंगे। बता दें कि रेंडरिंग प्लांट में पशुओं के शव या मांस के अपशिष्ट को इकट्?ठा किया जाता है। इनमें खाल, चर्बी, हड्?डी भी शामिल हैं। प्लांट में शव को छोटे टुकड़ों में काटा जाता है और प्रोसेस फिर फिर उच्च तापमान पर पकाया जाता है। इससे जानवरों के लिए दाने तैयार किए जाते हैं।

महापौर मालती राय ने बताया, इस साल नगर निगम ने आदमपुर छावनी में रेंडरिंग प्लांट स्थापित किया है। जिसमें स्लाटर वेस्ट से मुर्गी व मछली के लिए दाना तैयार किया जाएगा। यह प्लांट मध्यप्रदेश में अपने किस्म का पहला प्लांट है। रेंडरिंग प्लांट में स्लाटर वेस्ट का उपयोग होने से अब पूर्व की तरह स्लाटर वेस्ट को जमीन में गाड़ा नहीं जाएगा। स्लाटर वेस्ट को अस्थायी सेकेंडरी स्टोरेज पाइंट पर एकत्र कर सीधे आदमपुर छावनी स्थित रेंडरिंग प्लांट भेजा जा रहा है।

दूसरे एरिये में माल बेचा तो कंपनी की करेंगे शिकायत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ई-कॉमर्स या मॉडर्न ट्रेड वाली कंपनियों ने मार्केट में अपना माल दूसरे डिस्ट्रीब्यूटर के एरिया में बेचा तो इसकी शिकायत जीएसटी काउंसिल में की जाएगी। यह निर्णय भोपाल के एमपी नगर में हुई भोपाल डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा में लिया गया।

एमपी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील जैन (501) की मौजूदगी में यह बैठक हुई। इसमें एग्जीक्यूटिव बॉडी के सभी सदस्य और सभी डिस्ट्रीब्यूटर्स मौजूद थे। अध्यक्ष जैन ने व्यापारिक, नगर निगम, यातायात पुलिस, प्रशासन और कंपनियों से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की। इसके अलावा संस्था के नए नियम जैसे- चेक बाउंस होने पर पैनाल्टी का प्रावधान, दो बार से अधिक चेक बाउंस होने पर उस व्यापारी से अगली बार चेक ना लिए जाने के संबंध में, किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर के स्टाफ द्वारा चोरी या गबन करने के पश्चात उस कर्मचारियों को किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर के यहां नौकरी पर न रखने के संबंध में चर्चा भी शामिल हैं।

बैठक में नए नियमों से सदस्यों को अवगत कराया गया। इसके अलावा सदस्यता को बढ़ाना, ई-कॉमर्स, इनफील्ट्रेशन आदि समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया।

एमपीयूडीसी की योजनाएँ तय समय पर पूर्ण हों, इसके लिये मासिक प्लॉन बने

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत संचालित मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) की भोपाल में शनिवार को हुई बैठक में एमडी श्री संकेत भोंडवे ने निर्देश दिये हैं कि कम्पनी के योजना कार्य तय समय-सीमा में पूरे किये जायें। उन्होंने अधिकारियों से मासिक आधार पर माइक्रो प्लॉन तैयार किये जाने के लिये भी कहा। एमडी श्री भोंडवे ने भुगतान प्रक्रिया को समय पर सुनिश्चित करने और वित्तीय सुरक्षा के लिये डिजिटल प्लेटफार्म के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। एमडी ने कहा कि मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत सभी अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलाया जाये।

एमडी श्री भोंडवे ने योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाने के लिये कांट्रेक्टर के साथ नियमित बैठक किये जाने के लिये भी कहा। उन्होंने कहा कि एमपीयूडीसी का कार्य नगरीय क्षेत्र में अधोसंरचना कार्य से जुड़ा है। इसलिए जरूरी है कि सभी योजनाएँ तय समय पर पूरी हों। उन्होंने सतना के चित्रकूट में अधोसंरचना विकास के लिये तैयार किये जा रही इंटीग्रेटेड अर्बन डेवलपमेंट प्लॉन की प्रस्तुति को देखा। एमडी ने बॉयो गैस प्लांट की स्थापना और हरित क्षेत्र (ग्रीनरी) के लिये उपयुक्त स्थान चिन्हित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चित्रकूट की तरह प्रदेश के अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन नगरों में इंटीग्रेटेड अर्बन डेवलपमेंट प्लॉन तैयार किये जायें। बैठक में नर्मदा नदी के संरक्षण के लिये नदी के निकट के शहरों में अपशिष्ट प्रबंधन की तैयार की गयी प्रारंभिक योजना पर चर्चा की गयी। एमडी श्री भोंडवे ने नगरीय निकायों के लिये प्रस्तावित समूह सौर ऊर्जा तथा भूमि आधारित सौर संयंत्रों की आधुनिक तकनीक और अनुमानित लागत के संबंध में ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री अमनवीर सिंह बैस से भी चर्चा की।बैठक में विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा कर परीक्षा देने वाले 22 अयर्थियों के विरुद्ध 21 प्रकरण पंजीबद्ध

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता करने वाले अभ्यर्थियों पर सख्?त कार्रवाही की जा रही है। इसी तारतम्?य में आज पुलिस मुख्यालय के पुराने कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था श्री अंशुमान सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक जीडी तथा रेडियो में रिक्त पदों की पूर्ति के लिए वर्ष 2023 में ह्ठ्ठद्यद्बठ्ठद्ग लिखित परीक्षा मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें 6,52,057 उम्मीदवारों ने भाग लिया था। प्रक्रिया के द्वितीय चरण में लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवार 55,220 अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा चयन शाखा, मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 16 अक्टूबर से 20 नवम्बर के मध्य आयोजित की थी। संपूर्ण प्रक्रिया के उपरांत कुल 6423 अभ्यर्थी (5090 पुरूष एवं 1333 महिला) का चयन किया गया था। द्वितीय चरण के शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान नवम्बर 2024 में परीक्षा केन्द्र मुरैना में 05 अभ्यर्थियों द्वारा अपने स्थान पर किसी अन्य व्यक्तियों को परीक्षा में शामिल होने हेतु भेजा गया, जिन्हें संदिग्ध पाते हुए, परीक्षा में शामिल न कर उक्त उम्मीदवारों पर प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर विधिसम्मत कार्यवाही की गई थी। इस अनुभव के आधार पर पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा अंतिम परिणाम जारी होने के उपरांत सभी सफल अभ्यर्थियों का चरित्र सत्यापन एवं नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान उनकी आवंटित इकाईयों से बायोमेट्रिक एवं आधार हिस्ट्री की जांच पुन: कराये जाने हेतु दिनांक 21-04-2025 को निर्देश जारी किये गये। अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच में कुछ जिले में संदिग्ध रूप से भिन्नता पाये जाने पर बारीकी से जांच कराई गई, जिसमें यह पाया गया कि कुछ अभ्यर्थियों द्वारा लिखित परीक्षा के पूर्व अपना आधार कार्ड का बायोमेट्रिक संशोधन कराया गया था तथा लिखित परीक्षा के ठीक बाद उनके द्वारा पुन: आधार कार्ड का बायोमेट्रिक संशोधन कराया गया। ऐसे अभ्यर्थियों पर संदेह के आधार पर इनकी जांच कराई गई, जिसमें इनके हस्ताक्षर नूमना, हस्तलिपि, फिंगर प्रिंट लिये गये। साथ ही परीक्षा के दौरान इनके द्वारा दिये गये फिंगर प्रिंट, हस्तलिपि, के नमूने को प्राप्त कर उनकी जांच कराई गई। अभ्यर्थियों की वास्तविक लोकेशन के संबंध में तकनीकी रूप से भी जांच कराई गई, जिसमें भिन्नता पाये जाने पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। अभी तक कुल 21 प्रकरण 22 अभ्यर्थियों के विरूद्ध पंजीबद्ध किये जा चुके है, जिसमें मुरैना में 07, शिवपुरी-06, श्योपुर-02 तथा इंदौर, दतिया, ग्वालियर, अलीराजपुर, राजगढ तथा शहडोल में 01-01 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग में अधिकारियों-कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति में संशोधन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग की राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति-2022 की कण्डिकाओं में शिथिलता प्रदान करते हुए संशोधित आदेश जारी किये गये हैं। यह प्रशासकीय स्थानांतरण संबंधी अधिकार 7 से 16 जून की अवधि में जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री को प्रत्यायोजित किये गये हैं।

जिला स्तर पर स्थानांतरण की अवधि में जिला संवर्ग में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के शासकीय सेवकों, जिनमें प्राथमिक शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक (विज्ञान), सहायक शिक्षक (विज्ञान), प्रधानाध्यापक प्राथमिक शाला, लिपिकीय वर्ग संवर्ग तथा भृत्य संवर्ग के लोक-सेवकों का जिले के भीतर स्थानांतरण जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद किया जायेगा। विभागीय स्थानांतरण नीति-2022 के प्रावधानों का पालन करते हुए ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से जारी किये जायेंगे। स्थानांतरण आदेश पोर्टल पर जिला कलेक्टर की लॉगिन से अनुमोदन उपरांत जिला शिक्षाधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर से जारी होंगे। कोई भी आदेश ऑफलाइन जारी नहीं किया जायेगा।

जिले में 10 से कम नामांकन वाली किसी भी शाला में किसी भी शिक्षक का स्थानांतरण नहीं किया जायेगा। पारस्परिक स्थानांतरण समान पद एवं विषय होने पर ही किये जा सकेंगे, किन्तु 31 मई, 2025 से एक वर्ष की समयावधि में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों का पारस्परिक स्थानांतरण नहीं किया जा सकेगा। आदेश में प्रदर्शित किये गये संवर्ग को छोड़कर शेष संवर्गों में प्रशासकीय स्थानांतरण राज्य स्तर से ही किये जा सकेंगे। एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी किये जाने के लिये विभाग ने समय-सारणी नियत की है। स्थानांतरण किये जाने की अवधि 16 जून नियत की गयी है। स्थानांतरण के लिये प्रशासकीय प्रस्ताव 14 जून तक दर्ज किये जा सकेंगे।

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से किसानों की ऊर्जा आवश्यकताएं होगी पूरी-मंत्री शुक्ला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये प्रदेश अभूतपूर्व कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि इस दिशा में कुसुम सी योजना से अधिक से अधिक जोड़ने और उन्हें लाभान्वित करने के लिये सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट 10 जून को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर में आयोजित होगी। उन्होंने बताया है कि ' 'सूर्य-मित्र कृषि फीडर योजना के प्रमुख उद्देश्य म.प्र. पॉवर मैनेज़मेंट कंपनी लिमिटेड को कम दर पर विद्युत उपलब्ध कराना है। कृषकों की ऊर्जा आवश्यकताओं, मुख्य रूप से सिंचाई आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, उनके करीब सौर ऊर्जा का उत्पादन कर, आय के अवसर उपलब्ध करवाते हुए, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना लागू की गयी है। समिट में योजनांतर्गत सौर संयंत्रों की स्थापना के लिये जारी की जाने वाली निविदा की जानकारी दी जाएगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों को फसल विविधिकरण की सलाह दी गई

फ़सल विविधीकरण कृषि की स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण के लिए लाभकारी है - कृषि वैज्ञानिक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान (29 मई से 12 जून 2025) के अंतर्गत लगातार कृषक संगोष्ठी का आयोजन कर कृषकों को उन्नत कृषि तकनीकी के विषय में जागरूक किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र सीधी एवं कृषि अधिकारियों के पहले दल द्वारा रविवार को रामपुर नैकिन विकासखंड में कपुरी वेदोंलिहान, पचोखर, दुअरा, दूसरे दल द्वारा सिहावल विकासखंड में कुचवाही, जनकपुर, मुझरेठीखुर्द एवं तीसरे दल द्वारा मझौली विकासखंड में महखोर, खजुरिहा, मझिगवा में कार्यर् म का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में वैज्ञानिकों द्वारा धान-गेहूं की एकरूपता के बजाय फ़सल विविधिकरण की सलाह दी जा रही है, क्योंकि यह कृषि की स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण के लिए लाभकारी है। धान और गेहूं की लगातार खेती से मिट्टी की उर्वरता कम होती है, जल संसाधनों पर दबाव बढ़ता है और कीट-पतंगों व रोगों का खतरा बढ़ जाता है। फ़सल विविधिकरण से मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरता है, क्योंकि विभिन्न फ़सलें मिट्टी में अलग-अलग पोषक तत्वों का संतुलन बनाए रखती हैं। उदाहरण के लिए, दलहन और तिलहन फ़सलें नाइट्रोजन स्थिरीकरण में मदद करती हैं, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। इसके अलावा, फ़सल विविधिकरण से किसानों की आय में स्थिरता आती है, क्योंकि वे बाजार की अनिश्चितताओं और एक फ़सल की विफ़लता के जोखिम से बच सकते हैं।

वैज्ञानिक मोटे अनाज (जैसे ज्वार, बाजरा), दलहन (चना, मसूर), और तिलहन (सरसों, मूंगफ़ली) जैसी फ़सलों को अपनाने की सलाह देते हैं, जो कम पानी और संसाधनों में उगाई जा सकती हैं। यह जलवायु परिवर्तन के अनुकूल भी है, क्योंकि ये फ़सलें सूखा और प्रतिकूल मौसम में बेहतर प्रदर्शन करती हैं। साथ ही, यह खाद्य सुरक्षा और पोषण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विविध फ़सलें विभिन्न पोषक तत्व प्रदान करती हैं। फ़सल विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार और कृषि संस्थान प्रशिक्षण, बीज सब्सिडी और बाजार सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि दीर्घकालिक लाभ के लिए किसानों को परंपरागत खेती से हटकर विविध फ़सलों को अपनाना चाहिए, ताकि पर्यावरण, अर्थव्यवस्था, और समाज का समग्र विकास हो सके।

प्रभारी मंत्री आज मैहर पहुंचकर विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन की पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह 9 जून को प्रातः 5.30 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से मैहर आयेंगी। निर्धारित कार्यक्र म के अनुसार प्रभारी मंत्री प्रातः 9 बजे एकलव्य विद्यालय में वृक्षारोपण कार्यर् म में शामिल होंगी और प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक कलेक्टर कार्यालय में जिले के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेंगी। प्रभारी मंत्री का दोपहर 1 से दोपहर 2 बजे तक का समय आरक्षित रहेगा। प्रभारी मंत्री दोपहर 3 बजे बदेरा महाविद्यालय का लोकार्पण करने के उपरांत सायं 7.30 बजे मां शारदा देवी की आरती में शामिल होंगी। प्रभारी मंत्री रात्रि 9.20 बजे मैहर से रेवांचल एक्सप्रेस द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगी।

अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने तैयारी बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में आगामी वर्षा ऋतु में अति वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारी संबंधी बैठक 9 जून को प्रातः 10.30 बजे संयुक्त कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में जानकारी सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

डायरेक्ट एजेंट के लिए साक्षात्कार आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कार्यालय अधीक्षक डाकघर सतना संभाग में डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा (पीएलआई, आरपीएलआई) के व्यवसाय अर्जन के लिए डायरेक्ट एजेंट का चयन किया जाना है। जिसके लिए साक्षात्कार का आयोजन 9 जून 2025 को प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। अधीक्षक डाकघर सतना संभाग ने बताया कि 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के आवेदक की शैक्षणिक योग्यता 10वी पास या समकक्ष राज्य/केन्द्रीय बोर्ड, कम्प्यूटर ज्ञान एवं स्थानीय क्षेत्र का ज्ञान होना अनिवार्य है। अहर्तये पूर्ण करने वाले इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन तथा बायोडाटा लेकर समयावधि में कार्यालय अधीक्षक डाकघर सतना संभाग सतना में निर्धारित समय पर उपस्थित हो। आवेदन तथा अन्य जानकारी के लिये विकास अधिकारी डाक जीवन बीमा के मो. 9621787969 पर संपर्क कर सकते है।

प्रेस-काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषद के नाम का उपयोग करना अवैधानिक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।केन्द्र सरकार ने प्रेस-काउंसिल ऑफइंडिया (भारतीय प्रेस परिषद) के नाम के अनाधिकृत उपयोग पर रोक लगाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा एडवाइजरी में कहा गया है कि उन्हें सूचना मिली है,कुछ प्रेस संगठनों द्वारा ''प्रेस-परिषद'' शब्द का अनुचित उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रेस-काउंसिल ऑफइंडिया की संस्थागत महत्ता प्रभावित हो रही है और उसके विशिष्ट अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है।

सचिव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रेस-काउंसिल ऑफइंडिया एक सांविधिक निकाय है। इसकी स्थापना प्रेस-परिषद अधिनियम-1978 के तहत प्रेस की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने और समाचार-पत्रों एवं समाचार एजेंसियों के मानकों को बनाए रखने एवं सुधारने के उद्देश्य से की गई थी। इसका सचिवालय नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स के सूचना भवन में है। सचिवालय द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि भारतीय प्रेस-परिषद की किसी भी राज्य में कोई शाखा नहीं है, न ही उसने किसी अन्य निकाय को अपने समान या मिलते-जुलते नाम का उपयोग करने के लिए अधिकृत किया है। सचिवालय से जारी निर्देश के अनुसार किसी संगठन द्वारा प्रेस काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषदशब्द का उपयोग करना, प्रतीक और नाम के अनुचित उपयोग निवारण अधिनियम, 1950 की धारा 3 और प्रविष्टि 7(पप) का उल्लंघन है। इस संदर्भ में केन्द्रीय विधि विभाग ने भी स्पष्ट किया है कि किसी अन्य संगठन द्वारा इस नाम का उपयोग करना अवैध है और इसके लिए कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

पारदर्शी तरीके से अनुज्ञा जारी करने के लिये ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान सिस्टम

413 नगरीय निकायों में यह सिस्टम कर रहा है काम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में 413 नगरीय निकायों में यूनिफॉर्म एवं पारदर्शी तरीके भवन अनुज्ञा जारी करने के लिये ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम (एबीपीएएस) लागू किया गया है। एबीपीएएस के अंतर्गत निकाय कार्यालय में उपस्थित हुए बिना ही भवन अनुज्ञा प्राप्त किये जाने के लिये आवेदन ऑनलाइन स्वीकृत किये जाने की व्यवस्था की गई है। यह संपूर्ण प्रर्ि या बिना किसी मानव हस्तक्षेप के ऑटोमेटेड प्रोसेस से ही की जाती है। यहाँ तक की बिल्डिंग इस्पेंक्टर द्वारा स्थल निरीक्षण के समय में भी मोबाइल ऐप द्वारा ही जानकारी प्राप्त कर सिस्टम में अपलोड कर दी जाती है। अब तक करीब 3 लाख 50 हजार भवन अनुज्ञाएँ ऑनलाइन माध्यम से स्वीकृत की गई हैं। ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान सिस्टम नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग द्वारा तैयार किया गया है।

प्रदेश की 413 नगरीय निकायों में भूमि विकास नियम में दिये गये प्रावधानों के अनुसार ऑनलाइन कम्पांउडिंग (प्रशमन) लागू किया गया है। ऑनलाइन कम्पांउडिंग प्राणाली में शुल्क भी सिस्टम के द्वारा ऑटोमेटिक जनरेट किया जाता है एवं शुल्क के लिये सभी ऑनलाइन भुगतान विकल्प का उपयोग किया जाता है। ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम में नागरिक स्वयं प्लिंथ प्रमाण पत्र, सेवा प्रमाण पत्र, कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र और अधिभोग प्रमाण पत्र ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा प्राप्त कर सकते है। भवन अनुज्ञा के लिये अनिवार्य दस्तावेजों की संख्या 16 से घटा कर 5 और साइट निरीक्षण चेक लिस्ट बिंदुओं को भी 43 से घटा कर 26 कर दिया गया है। फीस मेमों सिस्टम द्वारा स्वतारू ही शुल्क जनरेट किया जाता है। शुल्क भुगतान के लिये सभी प्रकार के ऑनलाइन माध्यम स्वीकार किये जाते है।

राज्य शासन द्वारा भवन अनुज्ञा प्रक्रिया के सरलीकरण के लिये अधिकारिता रखने वाले प्राधिकारी द्वारा समयक रूप से पंजीकृत वास्तुविद और संरचना इंजीनियर को 300 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफ़ल के भू-खंडों पर भवन अनुज्ञा जारी किये जाने की शक्तियाँ प्रदान की गई है। नये नियमों के अनुसार 186 वर्ग मीटर तक के आवासीय भू-खंडों पर

10 जून तक लिया जा सकेगा अशासकीय स्कूल में प्रवेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के निरूशुल्क प्रवेश के संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने निर्देश जारी किये हैं। इस संबंध में 29 मई को केन्द्रीयकृत ऑनलाइन लॉटरी प्रर्ि या के माध्यम से छात्रों को अशासकीय विद्यालय आवंटित किये गये हैं। आवेदकों को आवंटन संबंधी सूचना केन्द्र ने एसएमएस के माध्यम से प्रेषित की है। आवेदक अशासकीय विद्यालयों के आवंटन की स्थिति, आरटीई पोर्टल पर उपलब्ध ऑप्शन से देख सकते हैं। पालकों से कहा गया है कि अशासकीय स्कूल का आवंटन होने की स्थिति में आवेदक आवेदन में दर्ज रजिस्टर्ड मोबाइल तथा बच्चे का फोटो आवश्यक दस्तावेज की एक प्रति छात्र को साथ लेकर अशासकीय स्कूल में जाये। निर्देश में कहा गया है कि पालक एडमिशन के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि वह अपने बच्चे को आवंटित स्कूल में ही प्रवेश कराना चाहते हैं, तभी प्रवेश की प्रर्ि या के लिये संबंधित स्कूल को ओटीपी प्रदान करें। संबंधित स्कूल द्वारा ओटीपी दर्ज करने के बाद ही स्कूल में निरूशुल्क प्रवेश सुनिश्चित होगा। पालकों को सचेत किया गया है कि एक बार प्रवेश के बाद पालक को किसी अन्य अशासकीय शाला में शिक्षा का अधिनियम के तहत निरूशुल्क प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। अशासकीय स्कूल में प्रवेश 10 जून, 2025 तक ही हो सकेगा। नियत तिथि के बाद आवंटन-पत्र स्वतरू निरस्त हो जायेगा। पालकों को यह जानकारी भी दी गयी है कि एक बार प्रवेश लेने के बाद भविष्य में स्कूल परिवर्तन नहीं हो सकेगा। इस संबंध में अशासकीय स्कूलों को भी निर्देश जारी किये गये हैं। विकासखण्ड स्रोत समन्वयक को आवंटन एवं प्रवेश की रिपोर्ट की समीक्षा प्रतिदिन करने के लिये कहा गया है। यदि किसी पालक द्वारा उनके बच्चे का स्कूल में सीट आवंटन के बाद संबंधित स्कूल द्वारा आवंटित विद्यार्थी को प्रवेश देने से मना करने की शिकायत मिलती है तो संबंधित स्कूल के विरुद्ध वैधानिक करवाई जायेगी।

पुलिस आरक्षक भर्ती में फर्जीवाड़े पर सख्त कार्रवाई करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस आरक्षक भर्ती-2023 की प्रक्रिया में फ़र्जीवाड़े एवं अनियमितता की सूचना मिलने पर सख्त कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस प्रकार के आपराधिक कृत्य, जिनमें योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय होता है, मध्यप्रदेश में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस मुख्यालय द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए सभी सफ़ल अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक डाटा और आधार हिस्ट्री की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है। प्रथम दृष्ट्या इम्परसोनेशन पाए जाने पर अभ्यर्थियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की गई है।

मेधावी छात्रा सम्मान समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में

10 जून तक रजिस्ट्रेशन 15 जून को छात्राओं का होगा सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भगवान श्री राम की तपोभूमि मां शारदा की पावन नगरी सतना में आगामी 15 जून रविवार को 225 छात्राओं का सामाजिक संस्था यूथ हैल्पिंग हैंड्स प्रसिद्ध डॉक्टर की गरिमामय उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में है।

संस्थापक रूपेश वलेचा एवं डॉक्टर मनीषा सोई ने बताया 15 जून रविवार को मेधावी छात्राओ का सम्मान खेरमाई रोड स्थित अमृत वाटिका में शाम 4 बजे से सम्मानित किया जाएगा जिसमें क्लास 9 से 12 तक जिन बच्चियों के 85% या उस से अधिक % लाये है वो शामिल होगे।

डोली भांबरी ने आगे बताया इस सम्मान समारोह में सतना एवं मैहर जिले की हर वर्ग की बेटियां शामिल हो सकती हैं अभी तक 210 बच्चियों का रजिस्ट्रेशन हो चुका हे जो बेटियां शामिल होना चाहती हैं वाट्सअप नंबर 7974252890 में अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं कार्यक्रम के दौरान छात्रा सम्मान के साथ-साथ MBBS, CA, IS , Er से बच्चियों की करियर काउंसलिंग करवाई जाएगी जिससे उन्हें आगे भविष्य के लिए सहयोग प्राप्त हो सके।

भक्ति सुखेजा ने छात्राओं से अपील की हे जो छात्रा सम्मान समारोह में शामिल होना चाहती है 10 जून के पहले अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करवाले।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों को दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।खरीफ सीजन 2025 को दृष्टिगत रखते हुये कृषक हितार्थ योजनाओं, सामयिक तकनीकी जानकारी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, धान की सीधी बुवाई, प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना में अऋणी कृषकों को जोड़ने, प्राकृतिक खेती, फ़सल विविधीकरण, कृषि मशीनरी एवं ड्रोन का जीवंत प्रदर्शन, उद्यानिकी, पशुपालन को लक्ष्यगत करते हुये किसानों को जानकारी दी गई।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के तहत गुरूवार को प्रत्येक विकासखण्ड के 03-03 ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधियों, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों, कृषि एवं एलाइड विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि, प्रगतिशील कृषक की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विकासखण्ड सोहावल के ग्राम पंचायत भुमकहर, सोहावल, बेलहटा, विकासखण्ड रामपुर बाघेलान के ग्राम पंचायत सिजहटा, गौरैया, घुघुचिहाई, विकासखण्ड मझगवां के ग्राम पंचायत डोमहाई, कलवलिया, झोंटा, विकासखण्ड नागौद के ग्राम पंचायत मौहरी, उरदन, अमकुई, विकासखण्ड उचेहरा के ग्राम पंचायत परसमनिया, आलमपुर, गौत, विकासखण्ड अमरपाटन के ग्राम पंचायत खरमसेडा, चोरखडी, सुआ, विकासखण्ड मैहर के ग्राम पंचायत भेडा, नरौरा, पहाडी एवं विकासखण्ड रामनगर के ग्राम पंचायत पदमी, नौगांव 4, गुलवर गुजारा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कृषकों से मृदा उपचार, बीज उपचार, उन्नत किस्मों, उद्यानिकी की उन्नत किस्मों, मिट्टी परीक्षण, उन्नत कृषि तकनीकी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्राकृतिक खेती, जैविक खेती, नैनो यूरिया तथा संतुलित खाद का उपयोग पर चर्चा की गई। कार्यर् म में किसानों को उनकी समस्याओं और उनके निराकरण से संबंधित जानकारी दी गई।

मिशन कर्मयोगी में नगरीय प्रशासन एवं विकास के

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश में राष्ट्रीय मिशन कर्मयोगी की अवधारणा और कार्य-प्रणाली को ध्यान में रखकर राज्य सरकार ने क्षमता निर्माण नीति तैयार की है। इस नीति में प्रत्येक विभाग के बजट में मिशन कर्मयोगी के लिये बजट का एक प्रतिशत आरक्षित किया गया है। इस व्यवस्था से कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास के लिये आवश्यक संसाधन सुनिश्चित हो रहे हैं। यह व्यवस्था संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास में भी लागू की गयी है।

मिशन कर्मयोगी डिजिटल पोर्टल पर अब तक 43 हजार से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को पंजीकृत किया जा चुका है। ये कुल कर्मचारियों का लगभग 70 प्रतिशत है। संचालनालय के 8816 प्रतिभागी पाठ्यक्र मों में पंजीकृत हैं, जिनमें से 6843 अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त किया जा चुका है। विभाग द्वारा विशेषज्ञों के माध्यम से 4 ई-लर्निंग मॉड्यूल निर्मित किये गये हैं। इनमें आश्रय-स्थल प्रबंधन, स्व-सहायता समूह गठन एवं प्रबंधन, राजस्व प्रबंधन, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 शामिल हैं। प्रदेश की क्षमता निर्माण नीति मिशन कर्मयोगी के आदर्शों पर आधारित एक ठोस एवं दायित्वपूर्ण रणनीति है। इससे राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों की कौशल और नेतृत्व क्षमता लगातार बढ़ेगी। राज्य सरकार की यह पहल केन्द्र सरकार की नीति से मेल खाती है। प्रशिक्षित प्रशासन तंत्र से सक्षम उत्तरदायी सुशासन व्यवस्था को साकार किया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग में अधिकारियों-कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति संशोधित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग की राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति-2022 की कण्डिकाओं में शिथिलता प्रदान करते हुए संशोधित आदेश जारी किये गये हैं। यह प्रशासकीय स्थानांतरण संबंधी अधिकार 7 से 16 जून की अवधि में जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री को प्रत्यायोजित किये गये हैं।

जिला स्तर पर स्थानांतरण की अवधि में जिला संवर्ग में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के शासकीय सेवकों, जिनमें प्राथमिक शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक (विज्ञान), सहायक शिक्षक (विज्ञान), प्रधानाध्यापक प्राथमिक शाला, लिपिकीय वर्ग संवर्ग तथा भृत्य संवर्ग के लोक-सेवकों का जिले के भीतर स्थानांतरण जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद किया जायेगा। विभागीय स्थानांतरण नीति-2022 के प्रावधानों का पालन करते हुए ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से जारी किये जायेंगे। स्थानांतरण आदेश पोर्टल पर जिला कलेक्टर की लॉगिन से अनुमोदन उपरांत जिला शिक्षाधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर से जारी होंगे। कोई भी आदेश ऑफ्लाइन जारी नहीं किया जायेगा।

जिले में 10 से कम नामांकन वाली किसी भी शाला में किसी भी शिक्षक का स्थानांतरण नहीं किया जायेगा। पारस्परिक स्थानांतरण समान पद एवं विषय होने पर ही किये जा सकेंगे, किन्तु 31 मई, 2025 से एक वर्ष की समयावधि में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों का पारस्परिक स्थानांतरण नहीं किया जा सकेगा। आदेश में प्रदर्शित किये गये संवर्ग को छोड़कर शेष संवर्गों में प्रशासकीय स्थानांतरण राज्य स्तर से ही किये जा सकेंगे।

समय-सारणी जारी: एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी किये जाने के लिये विभाग ने समय-सारणी नियत की है। स्थानांतरण किये जाने की अवधि 16 जून नियत की गयी है। स्थानांतरण के लिये प्रशासकीय प्रस्ताव 14 जून तक दर्ज किये जा सकेंगे। ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी करने का कार्य 16 जून तक ही किया जा सकेगा। विभाग द्वारा उक्त आदेश समस्त जिला कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण और जिला शिक्षाधिकारी को जारी किये गये हैं।

सिन्धु विकास समिति की हुई विशेष बैठक

60 प्लस के युवा रक्तवीर "रक्त विभूति सम्मान" से होंगे सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना समाज सभी संस्था सिन्धु विकास समिति की विशेष बैठक 8 जून रविवार को गेलानी परिसर में संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी की अध्यक्षता एवं संरक्षक गोपी गेलानी मनोहर डिगवानी की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुई

बैठक में कई विषयों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया एवं 14 जून विश्व रक्तदान दिवस पर 60 प्लस रक्तवीरो का सम्मान करने एवं 15 जून रविवार को श्री नारायण मुक्तिधाम में सर्वसमाज की बैठक आयोजित करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया

14 जून विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर समिति 60 प्लस के ऐसे युवा रक्तवीरों का सम्मान करेगी जिसमें सेवा का जज्बा है और इस सेवा में उम्र भी आड़े नहीं आती

संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी ने कहा 60 प्लस के युवा रक्तदाताओं में ब्लड डोनेट करने का जज्बा और जुनून इस कदर भरा है कि इस उम्र के बाद भी रक्तदान कर रहे हैं ऐसे रक्त वीरों का संस्था सम्मान कर युवाओं एवं मातृशक्ति को प्रेरणा देने का तो कार्य करेगी साथ ही संस्था ऐसे रक्तवीरो का सम्मान कर गौरावित होगी

संस्था के महामंत्री घनश्याम मंघरानी ने जानकारी देते हुए बताया 14 जून शनिवार को महंत स्वामी संतोखदास जी एवं डॉ. दीपक सोई [अध्यक्ष जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी] की गरिमामयी उपस्थिति सिन्धी कॉलोनी स्तिथ श्री मनोहर धाम में प्रातः 9.30 बजे से सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें 60 प्लस के युवा रक्तवीरों को "रक्त विभूति सम्मान" से सम्मानित किया जाएगा

बैठक में मुख्य रुप से संरक्षक गोपी गेलानी मनोहर डिगवानी, मार्गदर्शक गोपीचंद कापड़ी,विजय जग्यासी अध्यक्ष विनोद गेलानी उपाध्यक्ष इंद्रलाल आडवाणी महामंत्री घनश्याम मंघरानी,मंत्री संजय वाधवानी,महेश रावलानी, उप कोषाध्यक्ष जितेन्द्र गावरी, प्रचार मंत्री रंजीत सेनानी, कार्यकारिणी सदस्य मनीष टेकवानी संजय सेनानी मनीष सदानी एवं कई सदस्यगण उपस्तिथ रहे।

विचार

आरबीआई ने तो राहत दे दी, लेकिन क्या बैंक इसे लोगों तक पहुंचाएंगे?

घरों की घटती बिक्री और अर्थव्यवस्था पर लगातार पड़ रहे दबाव के बीच भारतीय रिज़र्व बैंक ने बड़ा कदम उठाते हुए रेपो रेट में बंपर कटौती कर दी है। आर्थिक मामलों के जानकार, यह उम्मीद लगा रहे थे कि आरबीआई शुक्रवार को रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है लेकिन आरबीआई ने उम्मीद से ज्यादा राहत देते हुए इसमें आधा फीसदी की कटौती कर दी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस बड़े फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि बहुमत से यह फैसला किया गया है। रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती के बाद अब यह 5.50 फीसदी हो जाएगा। इसके साथ ही आरबीआई ने कैश रिज़र्व रेश्यो में एक प्रतिशत की कमी का भी ऐलान किया। इससे बैंकों के पास पैसा और बढ़ेगा, जिसका इस्तेमाल वे कर्ज बांटने में कर सकेंगे। भारतीय रिज़र्व बैंक ने लगातार तीसरी बार दरों में कटौती की है। आरबीआई ने फरवरी, अप्रैल और जून में यानी कुल मिलाकर रेपो रेट में तीन बार कटौती कर, इसमें 100 बेसिस पॉइंट्स घटा दिए हैं। रेपो रेट और कैश रिज़र्व रेश्यो में कटौती के आरबीआई के दोनों फैसलों को अगर साधारण भाषा में बताया जाए तो, इसका एकमात्र बड़ा उद्देश्य लोगों की जेबों तक ज्यादा से ज्यादा पैसा पहुंचाना है ताकि उनके पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त पैसा बचे। अगर लोगों के पास पैसे बचेंगे तो वे खर्च करेंगे, जिससे बाजार में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था की विकास दर भी बढ़ेगी। लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा जब बैंक पूरी ईमानदारी के साथ आरबीआई द्वारा की गई कटौतियों का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा पाएंगे। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती के बाद होम लोन लेने वाले लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। मोटे तौर पर अगर अनुमान लगाया जाए तो 20 लाख के लोन की ईएमआई में 600-715 रुपए तक की कटौती हो सकती है यानी एक साल में 8,400 और 20 वर्षों में कुल मिलाकर एक लाख 68 हजार रुपए के लगभग की बचत हो सकती है। वहीं 50 लाख तक के होम लोन की ईएमआई पर 1650-1755 रुपए तक की राहत मिल सकती है। अगर किसी ने 20 वर्षों के लिए इतनी राशि का होम लोन ले रखा होगा तो उसे 4 लाख रुपए से भी ज्यादा की बचत होगी। जाहिर तौर पर होम लोन उपभोक्ताओं को इससे बड़ी राहत मिलेगी, बशर्ते बैंक कागजी कार्यवाही में किंतु-परंतु करने की बजाय सीधे उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाए। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, लगभग 40 फीसदी होम लोन श्वक्क्क अर्थात एक्सटर्नल बेंचमार्क लैंडिंग रेट से जुड़े हैं और उन्हें इस कटौती का तत्काल लाभ मिल जाना चाहिए। बैंकों को ऐसे उपभोक्ताओं को तुरंत राहत दे देनी चाहिए। इसके साथ ही बैंकों को होम लोन लेने वाले उन उपभोक्ताओं को भी राहत पहुंचाने के लिए काम करना चाहिए जो श्वक्क्क से नहीं जुड़े हुए हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक सहित सभी सरकारी एवं प्राइवेट बैंकों को होम लोन उपभोक्ताओं को बार-बार ब्रांच दौड़ाने और कागजी कार्यवाही में फंसाने की बजाय तुरंत ऑनलाइन ही राहत दे देनी चाहिए। बैंकों खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कार्यशैली को देखते हुए, यह अपने आप में किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है।

विपक्षी दलों के नये चेहरे राजनीति को दे रहे नई दिशा

विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरुर जहां असंय भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। सिंदूर ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है।

इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है। यूं तो सात दलों के सभी सदस्यों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है, लेकिन कांग्रेस के शशि थरूर एवं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक नये किरदार में नजर आये हैं। थरुर को लेकर कांग्रेस पार्टी में प्रारंभ से ही विरोध एवं विरोधाभास की स्थितियां बनी हुई।

विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरुर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। वे एक ऐसे कूटनीतिज्ञ राजनेता हैं, जो अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन करना जानते हैं। वे एक ऐसे स्वतंत्र सोच एवं साहसी निर्णय लेने वाले नेता भी हैं जो अपनी पार्टी के रुख से अलग भी स्टैंड लेते रहे हैं। लेकिन ताजा सन्दर्भों में वे कांग्रेस के लिए अब असहज सच्चाई बन गए हैं। क्योंकि थरूर ने वह सब कुछ किया है जिसकी पार्टी में इजाजत नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में थरूर के नाम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी, क्योंकि कांग्रेस ने केंद्र को थरूर का नाम नहीं दिया था। थरूर ने कहा था- मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की जरूरत होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा।' थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी सहित कई देशों के दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को सुपर लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस के अनेक नेता थरुर की खिंचाई करने में जुटे हैं। उन्हीं में एक नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता तक बता दिया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम को लेकर लगातार हमलावर हैं।

4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और 'जी हुजूर' करके मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरुर ने जोरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही घेरा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी।

आग्रह-दुराग्रह से ग्रसित होकर कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ही बातें कर रहे हैं, इन कांग्रेसी नेताओं में दायित्व की गरिमा और गंभीरता समाप्त हो गई है। राष्ट्रीय समस्याएं और विकास के लिए खुले दिमाग से सोच की परम्परा उनमें बन ही नहीं रही है। जब मानसिकता दुराग्रहित है तो दुष्प्रचार ही होता है। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। राष्ट्र-विरोधी राजनीति एवं सत्ता-लोलुपता की नकारात्मक राजनीति हमें सदैव ही उल्ट धारणा (विपथगामी) की ओर ले जाती है। ऐसी राजनीति राष्ट्र के मुद्दों को विकृत कर उन्हें अतिवादी दुराग्रहों में परिवर्तित कर देती है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने राष्ट्रीय संकट में भी यही सब करके आम जनता से अधिक दूरियां बना ली है। शशि थरुर ने तो बड़ी लकीरें खींच दी, कांग्रेस कब ऐसी लकीरें खिंचने की पात्रता विकसित करेंगी? हर राजनीतिक दल को कई बार अग्नि स्नान करता पड़ता है, पर आज कांग्रेस तो 卐कीचड़ स्नान卐 कर रहा है। जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता जबकि भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।

बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमण्डल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची है। जिनमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विश्व की राजधानियों में भारत की स्थिति और मौजूद विकास को भी रेखांकित किया है। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! ओवैसी की राष्ट्रवादी सोच तो समय-समय पर सामने आती रही है। इस तरह मुस्लिम नेतृत्व अगर उदारता दिखाता तो देश के करोड़ों मुसलमानों के प्रति एक विश्वास और भाईचारे की भावना बढ़ती है। ओवैसी ने तो सबकी निगाहें अपनी ओर खींच ली थीं। इसी तरह डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने अपनी तल्ख और चतुराई भरे अंदाज से भारतीयों एवं दुनिया का दिल जीत लिया है। सांसद कनिमोझी ने स्पेन में अपने हिस्से का पक्ष रखते हुए भारत की राष्ट्रीय भाषा एकता और विविधता का जिक्र कर ऐसी बात कही है जिसके बाद वो जमकर वाहवाही लूट रही हैं। कनिमोझी ने इसके साथ ही कहा कि 卐हमारे अपने मुद्दे हो सकते हैं, अलग-अलग विचारधाराएं हो सकती हैं, संसद में हमारे बीच तीखी बहस हो सकती है, लेकिन जब भारत की बात आती है, तो हम एक साथ खड़े होते हैं, यही संदेश हम लेकर आए हैं।' उनकी ये बातें इसलिए भी खास हैं क्योंकि जहां एक ओर उनकी पार्टी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा नीति को चुनौती देते हुए गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने की बात कर रही है। वहां कनिमोझी एकता और विविधता को राष्ट्रीय भाषा बताते हुए अपना पक्ष रख रही हैं। डीएमके सांसद का ये अंदाज सुर्खियों का विषय बना है और लोग जमकर इसकी तारीफ कर रहे हैं। इसी तरह शिवसेना यूबीटी की प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि श्रीकृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं। अब यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी।

बिहार में दावेदारी के लिए चिराग ने कसी कमर

बिहार में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है क्योंकि केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान की अगुवाई वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अपनी ताकत दिखाने के लिए तैयार है और इस साल अक्तूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में कम से कम 35-40 सीटों पर दावा ठोक सकती है। चिराग का लक्ष्य पार्टी के पिछले गौरव को बहाल करना और राज्य में मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करना है।

भाजपा अभी भी एक अखिल राज्य स्तरीय नेता बनाने के लिए संघर्ष कर रही है, ऐसे में चिराग का सीधा मुकाबला तेजस्वी यादव से होगा। पार्टी ने सीट बंटवारे की बातचीत से पहले अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए 8 जून से राज्य के विभिन्न हिस्सों में संकल्प सभाओं की योजना बनाई है जबकि चिराग ने सोमवार को विधानसभा चुनाव लडने़ की मंशा जताते हुए कहा, ''मैं खुद को लंबे समय तक केंद्रीय राजनीति में नहीं देखता। राजनीति में आने का मेरा कारण बिहार और बिहार के लोग थे। मैं 'बिहार पहले, बिहारी पहले' के अपने विजन को आगे बढ़ाना चाहता हूं।'' लोजपा (आर.वी.) ने जद (यू) के नीतीश कुमार के साथ मतभेदों के चलते राजग के बाहर 2020 का विधानसभा चुनाव लड़ा था। 135 सीटों पर चुनाव लडने़ के बावजूद लोजपा जद (यू) के चुनावी प्रदर्शन को काफी नुकसान पहुंचाने में सफल रही थी। 2024 के लोकसभा चुनावों से कुछ महीने पहले, 2023 में लोजपा (आर.वी.) राजग के पाले में लौट आई।

चिराग के लिए सांझेदारी का फायदा यह हुआ कि उनकी पार्टी ने जिन पांच लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा, उन सभी पर जीत हासिल की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार 3.0 में मंत्री के रूप में शामिल किया गया। लोजपा

(आर.वी.) की किस्मत बदलने के बाद, चिराग से अब सीट बंटवारे की बातचीत में आक्रामक कदम उठाने की उम्मीद है।

चंद्रशेखर की नजर सपा के मूल वोट बैंक पर- नगीना से मौजूदा सांसद और आजाद समाज पार्टी (ए.एस.पी.) के नेता चंद्रशेखर आजाद एक प्रमुख दलित नेता के रूप में उभर रहे हैं, जिनका महत्वपूर्ण प्रभाव अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (सपा) और मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) दोनों के लिए एक शक्तिशाली चुनौती साबित हो रहा है। चंद्रशेखर को लंबे समय से दलित अधिकार कार्यकर्त्ता के रूप में देखा जाता रहा है लेकिन उनके हालिया राजनीतिक कदम, खास तौर पर मुस्लिम समुदाय तक उनकी पहुंच, संकेत देते हैं कि अब उनकी नजर सपा के मूल वोट बैंक पर है और ऐसा करके वह राज्य में दलित-मुस्लिम राजनीतिक समीकरण को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

दूसरी ओर सपा और बसपा दलित वोटों का भरोसा जीतने की पूरी कोशिश कर रही हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया कि पिछड़े, दलित, आदिवासी, महिलाएं और हमारे सभी अल्पसंख्यक भाइयों ने तय कर लिया है कि वे पी.डी.ए. की ताकत को आगे ले जाएंगे। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया है। हालांकि आनंद एक युवा चेहरा हैं, जो दलित युवाओं को आकर्षित करने और बसपा कार्यकर्त्ताओं का मनोबल बढ़ाने और उन्हें दिशा देने में मदद कर सकते हैं लेकिन असली चुनौती बसपा की संगठनात्मक ताकत को फिर से खड़ा करने और अपने मूल आधार से फिर से जुडने़ की है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या बसपा या ए.एस.पी. भाजपा और इंडिया ब्लॉक के वोटों को छीनने में सफल होगी? ऑप्रेशन सिंदूर पर विशेष सत्र बुलाने की मांग - कांग्रेस के नेतृत्व में 16 विपक्षी दलों के नेताओं ने ऑप्रेशन सिंदूर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा, जबकि इंडिया ब्लॉक की पार्टियों ने इस मुद्दे पर दिल्ली में बैठक की। उधर आम आदमी पार्टी (आप) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.-एस.पी.) ने बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया। हालांकि, 'आप' के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि 'आप' ने विपक्ष को 240 सीटों तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाई है और अब स्वतंत्र रूप से काम करने का इरादा रखती है।

इंडिया ब्लॉक की पार्टनर होने के बावजूद 'आप' और कांग्रेस के बीच अशांत समीकरण रहे हैं। सीट बंटवारे की बातचीत पर काफी उतार-चढ़ाव और कांग्रेस की दिल्ली इकाई की ओर से गठबंधन के काफी विरोध के बाद दोनों पार्टियों ने आखिरकार दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में लोकसभा चुनावों में सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ा, लेकिन पंजाब में एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए। दूसरी ओर एन.सी.पी. (एस.पी.) प्रमुख शरद पवार ने पहले ही संसद का विशेष सत्र बुलाने पर अपनी आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह एक संवेदनशील और गंभीर मुद्दा है और इस पर संसद में चर्चा संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे गए संयुक्त पत्र पर कांग्रेस, सपा, टी.एम.सी., डी.एम.के., शिवसेना (यू.बी.टी,), राजद, जम्मू-कश्मीर नैशनल कॉन्फ्रैंस, सी.पी.आई. (एम), आई.यू.एम.एल., सी.पी.आई., आर.एस.पी., जे.एम.एम., वी.सी.के., केरल कांग्रेस, एम.डी.एम.के. और सी.पी.आई. (एम.एल.) ने हस्ताक्षर किए हैं। तेजस्वी भी चुनावी मोड में - उधर राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखे 2 पन्नों के पत्र में मांग की है कि सभी वंचित वर्गों के लिए 85 प्रतिशत आरक्षण देने वाले विधेयक को पारित करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाए। उन्होंने कहा कि इसे संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने का प्रस्ताव 3 सप्ताह के भीतर केंद्र सरकार को भेजा जाना चाहिए। राज्य में राजद का जनाधार मुख्य रूप से ओ.बी.सी. यादव और अल्पसंख्यक मुस्लिम हैं और तेजस्वी बेहद पिछड़े और दलितों के बीच अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। आरक्षण के स्तर को बढ़ाने के लिए नए कानून की मांग करना गैर-यादव पिछड़ों को लुभाने का प्रयास प्रतीत होता है, जिसे नीतीश का वोट आधार माना जाता है। राहुल गांधी के घोड़े - मध्य प्रदेश कांग्रेस में बड़े बदलाव का संकेत देते हुए वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बुधवार को अपनी पुनरुद्धार योजना की रूपरेखा व्यक्त करने के लिए एक रूपक का इस्तेमाल किया। पार्टी के पुराने नेताओं पर कटाक्ष करते हुए, जो दशकों से पार्टी पर हावी हैं, राहुल गांधी ने कहा, ''घोड़े तीन तरह के होते हैं- रेस का घोड़ा, शादी का घोड़ा और लंगड़ा घोड़ा। रेस के घोड़े को रेस में उतारा जाएगा, शादी के घोड़े को शादी में और लंगड़े घोड़े को रिटायर होने के लिए कहा जाएगा।

जोन कमिश्नर बोले- मकान निर्माण परमिशन की जांच होगी, आईटी और पुलिस की भी इन्वेस्टिगेशन अलग

तोमर ब्रदर्स पर शिकंजा, निगम अफसर घर पहुंचे, दस्तावेज मांगे, दोनों भाई पिछले 7 दिन से फरार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के हिस्ट्रीशीटर रोहित और वीरेंद्र तोमर पर शिकंजा और कसता जा रहा है। कुछ दिन पहले उनके घर से पुलिस ने लाखों रुपए कैश, सोने-चांदी के जेवरात और हथियार बरामद किए थे। अब रविवार को निगम अफसर भी उनके घर पहुंचे। निगम की टीम ने तोमर ब्रदर्स के परिजनों से मकान निर्माण और टैक्स संबंधित दस्तावेजों की मांग की। इसके कुछ देर बार दस्तावेज लेकर टीम चली गई। दोनों भाई पिछले 7 दिन से फरार हैं।

जोन 8 के कमिश्नर हितेंद्र यादव ने बताया कि इन दस्तावेजों की जांच की जाएगी। उनके पास कितनी अनुमति है और मकान कितने में बना है? यानी अगर घर निर्माण में कुछ अवैध निकलता है तो घर पर भी कार्रवाई हो सकती है।

इसके अलावा आयकर विभाग की टीम अलग जांच कर रही है। वीरेंद्र और रोहित के पास कुल कितनी संपत्ति है? दोनों भाई कितनी संपत्तियों का टैक्स दे रहे हैं? कितनी प्रॉपर्टी बेनामी है? इन सभी सवालों के जवाब तलाशे जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र तोमर और रोहित तोमर के परिजनों से भी पुलिस पूछताछ कर सकती है। पुलिस ने आरोपियों के घर से सामान जब्त करने के दौरान अवैध हथियार और आवाजी कारतूस जब्त किए थे। जांच अधिकारियों को आशंका है, कि आवाजी कारतूस का इस्तेमाल हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधु कर्जदारों को डराने के लिए इस्तेमाल करते थे।

हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र तोमर और रोहित तोमर के घर से पुलिस ने 37 लाख से ज्यादा नकद, 734 ग्राम सोने के जेवरात, 125 ग्राम चांदी, 4 गाड़ियां, आई-पेड, लैपटॉप, चेक एटीएम कार्ड, डी.व्ही.आर., ई-स्टाम्प जब्त किया था।इसके अलावा पैसों के लेन-देन के हिसाब का रजिस्टर, जमीनों के दस्तावेज, नोट गिनने का मशीन, 5 तलवार, 1 रिवाल्वर, 1 पिस्टल, जिंदा राउंड और आवाजी कारतूस भी बरामद किए गए थे।पुलिस ने सामान जब्त करने के साथ ही वीरेंद्र और रोहित के भतीजे दिव्यांश प्रताप तोमर को भी रिमांड में लिया था। दिव्यांश से 2 दिन दस्तावेज दिखाकर पुलिस ने पूछताछ की, लेकिन उसने सब चाचा को पता है बोलकर जानकारी नहीं दी।

मददगारों की जानकारी जुटा रही पुलिसः शहर में अंडा ठेला लगाने वाला इतना बड़ा सूदखोर कैसे बना? इसका पता लगाने के लिए पुलिस उसके मददगार की कुंडली निकालेगी। कुंडली निकालने की शुरुआत जेल से होगी। वीरेंद्र तोमर 2006 में कारोबारी पर चाकू से हमला किया था। 2013 में हत्या का केस दर्ज हुआ था।इस दौरान जेल गया था और पहले से जेल में बंद दूसरे राज्यों के कुछ अपराधियों से मेल मुलाकात बढ़ी। जेल से छूटने के बाद वीरेंद्र ने ब्याज में पैसे देने का काम शुरू किया था। इसके बाद उसके खिलाफ कई और मुकदमे दर्ज हुए।जेल के अंदर और जेल के बाहर वीरेंद्र और रोहित की मदद करने वालों की जानकारी पुलिस जुटा रही है। मददगारों के अलावा वीरेंद्र और रोहित के खास गुर्गे, जिनके पास उनकी संपत्ति हो सकती है, उनका पता भी जांच एजेंसी लगा रही है।

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई देखकर पीड़ित पहुंच रहे थानाः हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र और रोहित के कई शिकार हैं। आरोपियों और उनके गुर्गों का खौफ पीड़ितों को इस कदर था, कि उनके शहर में रहते हुए शिकायत देने नहीं पहुंच रहे थे। पुलिस ने वीरेंद्र और रोहित पर जबसे कार्रवाई शुरू की है, तब से पीड़ितों के मन में डर खत्म हो गया है।दो दिन पहले पुरानी बस्ती थाना में नारायणपुर जिले के पीड़ित ने आरोपी रोहित तोमर के खिलाफ एक पीड़ित ने शिकायत की है। पीड़ित ने पुलिस को बताया, कि उसने 10 लाख रुपए कर्ज लिया था और ब्याज सहित 1 करोड़ 10 लाख रुपए दिए। इसके बाद भी रोहित उसको परेशान करता था। पुलिस ने इस केस को भी दर्ज कर लिया है। नारायणपुर के पीड़ित के अलावा कई और व्यक्ति आरोपी तोमर बंधुओं के खिलाफ शिकायत करने की तैयारी कर रहे हैं।

बलरामपुर में 1.25 करोड़ का डोडा चूरा पकड़ाया

ट्रक में 14.44 क्विंटल भरा था डोडा, राजस्थान से रांची ले जा रहा था, ड्राइवर भागा

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर पुलिस ने ट्रकों की जांच के दौरान एक ट्रक से 14 क्विंटल 44 किलो का डोडा चूरा जब्त किया है। डोडा चूरा बोरों में भरा गया था। जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ 30 लाख रुपए बताई गई है। ट्रक राजस्थान से डोडा चूरा लेकर रांची के लिए निकला था। ट्रक का ड्राइवर फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।जानकारी के मुताबिक, बसंतपुर पुलिस छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश की सीमा पर स्थित धनवार बार्डर पर रविवार को वाहनों की जांच कर रही थी। इस दौरान एक ट्रक बार्डर पर पहुंचा। पुलिस चेकिंग को देखकर ट्रक के ड्राइवर ने गाड़ी सड़क किनारे खड़ी की और ट्रक छोड़कर भाग निकला। पुलिसकर्मियों ने उसे भागते हुए देखा।वाड्रफनगर एसडीओपी रामवतार ध्रुव सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचे और संदिग्ध ट्रक की जांच कराई। ट्रक में 90 बोरियों में संदिग्ध पदार्थ लोड मिला। बोरों की जांच करने पर उसमें डोडा चूरा लोड मिला। उक्त ट्रक राजस्थान से रांची जाने के लिए निकला था। बोरियों में 14 क्विंटल 44 किलोग्राम डोडा चूरा लोड मिला, जिसकी अनुमानिक कीमत एक करोड़ 30 लाख रुपए बताई गई है।

डोडा चूरा का कोई दस्तावेज वाहन में नहीं मिला है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। आशंका है कि डोडा चूरा तस्करी कर रांची ले जाया जा रहा था, इस कारण पुलिस को देखकर ट्रक चालक भाग निकला।डोडा चूरा का उपयोग नशे के रूप में होता है। अफीम उत्पादकों से सरकार भी डोडा चूरा खरीदती है। इसे सरकार द्वारा लाइसेंसधारियों को बेचा जाता है। ब्लैक मार्केट में डोडा चूरा की कीमत करीब 1500 से दो हजार रुपए किलो तक है।नशे के रूप में डोडा चूरा का उपयोग करने वाले इसे चाय के साथ उबालकर पीते हैं। डोडा चूरा का उपयोग नशीली दवाएं बनाने में होता है। जितनी अधिक मात्रा में डोडा चूरा मिला है, उससे आशंका है कि यह बड़ी खेप नशीली दवाएं बनाने के लिए ले जाई जा रही थी।एसडीओपी रामवतार ध्रुव ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। ट्रक मालिक और ट्रक चालक की खोजबीन की जानकारी जुटाई जा रही है। उनके पकड़े जाने के बाद मामले में विस्तृत जानकारी दी जा सकेगी।

बिलासपुर में पत्नी को तवा से पीट-पीटकर मार डाला

2 महीने की बच्ची की छट्ठी मनाने को लेकर विवाद, खुद थाने भी पहुंचा पति

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में पति ने पत्नी पर तवा से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। बच्ची की छट्ठी मनाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान गुस्साए पति ने पास रखे तवे से पत्नी के सिर और चेहरे पर वार कर दिए। घटना सकरी थाना क्षेत्र के बहतराई की है। पत्नी की मौत के बाद आरोपी खुद थाने पहुंच गया। घटना की सूचना पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और उसके घर भी पहुंची। जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह 8.30 बजे गौरीशंकर साहू (27 साल) और उसकी पत्नी रत्ना साहू (25 साल) के बीच विवाद हुआ।

आरोपी ने बताया कि, विवाद के बाद गुस्से में उसने तवे से कई वार किए इससे पत्नी लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गई। गिरने के बाद भी तवे से उसके सिर पर वार किया जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी ने थाने पहुंचने के अलावा डायल 112 को भी खुद सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि पूरे घर में खून फैला हुआ था।

पुलिस ने तवा भी किया बरामद

घटना के समय घर के बाकी लोग खेत में काम करने गए थे। पुलिस ने मृतिका के परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे। उनकी उपस्थिति में पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रवाना किया गया। पुलिस ने हत्या में उपयोग किया गया तवा भी बरामद कर लिया है।

घटना की सूचना पाकर टीआई प्रदीप आर्य और एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंचे, और घेराबंदी कर जांच की गई। टीआई ने बताया कि जब वे घर पहुंचे तो महिला का शव खून से लथपथ जमीन पर पड़ा हुआ था। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बिजली पोल टूटा, 25 फीट नीचे गिरने से मजदूर की मौत

बालोद में सेफ्टी इक्विपमेंट के बिना ही मजदूर कर रहे थे काम

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में नया लगा बिजली का खंभा एक मजदूर का वजन भी नहीं सह सका। 25 फीट ऊंचाई पर तार जोड़ते समय बिजली पोल के टूटने पर मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन और ग्रामीणों ने जमकर थाने में हंगामा किया। बिजली पोल की गुणवत्ता, निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए।

यह हादसा शनिवार शाम करीब 4 बजे गुरुर ब्लॉक के ग्राम डांडेसरा में उस वक्त हुआ, जब किसानों को बिजली आपूर्ति के लिए नए पोल लगाए जा रहे थे। यह काम भिलाई की ओम साईं कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर कंपनी के मालिक सौरभ सिंह करवा रहा था।

इनके कार्य को पूरा करने के लिए मटिया बी से 20 से अधिक मजदूर बुलाए गए थे। जो बिना किसी सुरक्षा उपकरण के काम कर रहे थे। इसी दौरान मजदूर युगल किशोर (28) पोल पर चढ़कर तार जोड़ने के लिए लोहे का एंगल लगा रहा था। तभी खंभा अचानक टूट गया और वह नीचे गिरते ही उसी के नीचे दब गया।

मजदूर की मौत के बाद जोहर छत्तीसगढ़ पार्टी के नेता चंद्रभान साहू ने बिजली खंभों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि, खंबा इतना कमजोर था कि नीचे से ही टूट गया। जिससे मजदूर की जान चली गई।

चंद्रभान ने बताया कि, संबंधित ठेकेदार द्वारा लगाए गए सभी पोल और जिस फर्म से खंभे खरीदे गए हैं। उनकी गुणवत्ता की जांच के लिए वे मुख्यमंत्री को पत्र लिखेंगे। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मजदूरों को न्याय नहीं मिला तो पीड़ित परिवार की ओर से न्यायालय की लड़ाई लड़ने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

युगल किशोर अपने घर का इकलौता बेटा था और उसकी एक साल पहले ही शादी हुई थी। हादसे की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया और पूरा गांव शोक में डूब गया। गुस्साए ग्रामीणों ने गुरुर थाने में पहुंचकर जमकर हंगामा किया। हादसे की जांच और मुआवजे की मांग को लेकर दोपहर तक डटे रहे।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की समझाइश के बाद रविवार दोपहर को पोस्टमॉर्टम कराया गया। जिसके बाद शाम 4 बजे गांव में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान पूरा गांव अंतिम विदाई देने उमड़ पड़ा।

मजदूर की मौत जैसे गंभीर मामले में भी जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों ने चुप्पी साध ली। ठेकेदार सौरभ सिंह ने खुद को बयान देने के लिए अधिकृत नहीं बताया और सारा जिम्मा अधिकारियों पर डाल दिया। सीएसईबी प्रोजेक्ट के ईई डी. भारती और एई डी.के. साहू से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

कांग्रेस नेता की पिस्टल से चली गोली, महासमुंद थाने में फायरिंग

लाइसेंस एक्सपायर होने पर जमा कराने आए थे

मीडिया ऑडीटर, महासमुंद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एक कांग्रेस नेता के पिस्टल से गोली चली है। 7 जून को अंकित बागबाहरा अपनी पिस्टल जमा करने थाने पहुंचे थे। इस प्रक्रिया के दौरान उनके हाथ से अचानक गोली चल गई। गोली फर्श पर जा लगी। मामला बागबाहरा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, अंकित की पिस्टल का लाइसेंस मार्च 2025 में खत्म हो गया था। इसलिए पुलिस ने उन्हें नोटिस देकर या तो नवीनीकरण का दस्तावेज प्रस्तुत करने या पिस्टल थाने में जमा करने को कहा था।

पिस्टल जब्त कर गिरफ्तारः पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह ने बताया कि घटना के बाद अंकित के खिलाफ बीएनएस की धारा 125 और आर्म्स एक्ट की धारा 25 व 27 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने पिस्टल जब्त कर अंकित को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें है कि अंकित इससे पहले पुलिस के विरोध में एक मामले में एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने को लेकर सत्याग्रह पर भी बैठे थे।

रीवा/सतना की खबरें

चिह्नित दिव्यांगों को सहायक उपकरण का किया गया वितरण

दैनिक मीडिया आडिटर, त्योंथर । भारत सरकार (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय) देश के विभिन्न जिलों के 75 आकांक्षी ब्लाकों में क्रमबद्ध "सामाजिक अधिकारिता शिविरों" के माध्यम से भारत सरकार की एडिप योजनान्तर्गत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम के तहत आज दिनांक 08 जून को रीवा जिले के त्योंथर ब्लॉक में ALIMCO भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (भारत सरकार का उपक्रम) के माध्यम से निःशुल्क उपकरण वितरण कार्यक्रम हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी 'राज' जी, नगर पंचायत त्योंथर अध्यक्ष कृष्णवती शुक्ला जी, जनपद सदस्य, जनपद सीईओ त्योंथर प्रवीण बंसोड, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अरविंद तिवारी सहित जनपद के अन्य कर्मचारी और अधिकारी की सहभागिता रही।कार्यक्रम का आयोजन एलिम्को, जिला प्रशासन, जिला दिव्यांग पुर्नवास केंद्र (सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग), व भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी रीवा संयुक्त प्रयास से सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में जिला प्रशासन, जिला दिव्यांग पुर्नवास टीम की ओर से उपस्थिति हुए लेखा व भंडार प्रभारी संदीप चतुर्वेदी जी ने जानकारी दी की त्योंथर ब्लॉक में 78 दिव्यांगजन उपकरण व सहायक उपकरण को निःशुल्क रूप से प्राप्त कर शिविर में लाभान्वित हुए, जिसमें से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों को 31 नग हस्तचलित तिपहिया साइकिल, 72 नग वैशाखी, 03 नग व्हील चेयर, 15 नग बैटरी युक्त तिपहिया साईकल, 03 नग वाकिंग स्टिक इसी तरह नेत्रहीन दिव्यांगजनों को 01 नग सुगमन्य केन, मानसिक दिव्यांगजन बच्चों को 02 नग टी एल एम किट व श्रवण बाधित दिव्यांगजनों को 22 नग हियरिंग ऐड (कान की मशीन) उपकरण व सहायक उपकरण निःशुल्क रूप से वितरण किया गया है ।

सांसद ने मनगवां में किया उन्नत पुल निर्माण का भूमिपूजन

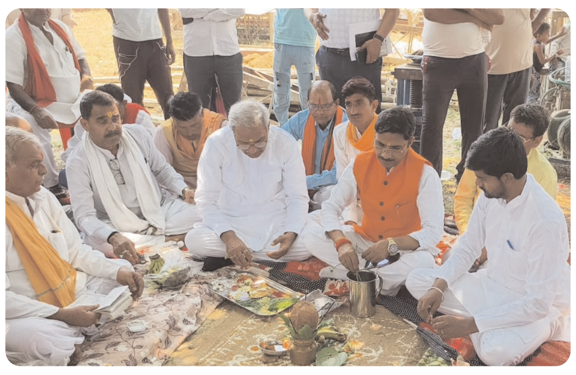

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विधानसभा मनगवां में मंडल रामपुर सर्किल के ग्राम पंचायत बंधवा कोठार एवं ग्राम पंचायत देवरिहनगांव को जोड़ने वाले कगास नदी पर उन्नत पुल निर्माण का भूमि पूजन सांसद जनार्दन मिश्रा जी के मुख्य आतिथ्य में हुआ,एवं अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक इन्जीनियर नरेन्द्र प्रजापति ने किया, इस पुल में 04 पावा एवं इसकी ऊंचाई 12 फीट तक की जायेगी। विधायक मनगवां इन्जीनियर नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि पूर्व काल में अल्पवृष्टि हो जाने पर कगास नदी पर आवागमन बाधित हो जाता था, इस पुल के निर्माण हो जाने पर क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रसन्नता जाहिर किया। 06 माह के समयावधि में इस उन्नत पुल का निर्माण करने के लिए विधायक ने अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देशित किया ताकि क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा हो। विधायक मनगवां ने इन्जीनियर नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि इसी स्थान पर हनुमान जी की स्थापना की जायेगी एवं शुभकामनाएं भव्य मंदिर का निर्माण भी किया जायेगा। भूमि पूजन के पश्चात समस्त विभागों के अधिकारियों अनुविभागीय अधिकारी बृजेन्द्र पांडेय, राजस्व विभाग के तहसीलदार आर आई पटवारी, महिला बाल विकास की सुपरवाइजर, शिक्षा विभाग के ब्लाक नईगढ़ी के शिक्षा अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी, जनपद नईगढ़ी के एपीओ, स्वास्थ्य विभाग, पशु चिकित्सा विभाग एवं जनपद के समस्त अधिकारीयों की उपस्थिति में आम जनमानस की समस्याओं को पंजीकृत किया गया एवं निराकरण भी किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रामपुर सर्किल अंशू सिंह, मंडल के पूर्व अध्यक्ष मोतीलाल तिवारी, उपाध्यक्ष लालजी पांडेय, भाष्कर त्रिपाठी, अभिमान पटेल, ज्ञानेन्द्र कुशवाहा, श्रीमती मधू जायसवाल,साधना यादव, राधिका कुशवाहा, धर्मराज भारती, महामंत्री अमृतलाल शुक्ला, राजबहोर प्रजापति, बूथ अध्यक्ष दिलीप द्विवेदी, राहुल पांडेय, एडवोकेट राजेन्द्र पटेल, सरपंच ग्राम पंचायत देवरिहनगांव संतोष पटेल, सरपंच बंधवाकोठार जनक कुमारी द्विवेदी, सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप द्विवेदी, कपिलेश्वर सिंह, मीडिया प्रभारी रामजी चौरसिया रविशंकर गौतम नीलेश तिवारी, अनिल तिवारी सहित क्षेत्र की समस्त जनता-जनार्दन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शराब के लिये पैसे न देने पर ढाबा-संचालक को पीटा, बर्तन फेंका

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले में खाना और शराब के पैसे देने से मना करने पर दो दबंगों ने ढाबा संचालक की पिटाई कर दी। दोनों ने मिलकर ढाबे के अंदर रखे बर्तन को सड़क पर बाहर फेंक दिया। जिससे उसके बर्तन में रखे खाने बिखर गए। घटना शनिवार रात करीब 10 बजे सरला नगर के पास सगमनिया गेट की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। ढाबा संचालक मुकेश जायसवाल ने डेल्हा गांव ने बताया कि 7 जून रात करीब 10 बजे वह अपना ढाबा बंद कर रहे थे। इसी दौरान पास के गांव के रामानंद पटेल और केपी पटेल वहां पहुंचे। उन्होंने खाना और शराब की मांग की। जब मैंने ढाबा बंद करने का हवाला देकर उन्हें मना किया, तो उन्होंने धमकाते हुए कहा कि अब तुम खाना और शराब के पैसे भी दोगे। इसके बाद रामानंद और केपी ने मेरे हाथ पकड़कर मरोड़ दिए। दोनों ने मारपीट शुरू कर दी। ढाबे के अंदर रखे बर्तन को बाहर सड़क पर फेंक दिया। इस दौरान वहां से गुजर रहे बादल साकेत और जितेंद्र रावत ने बीच-बचाव किया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। मैहर थाना बीट प्रभारी डेल्हा गांव ऋषभ छारी ने बताया कि शनिवार सुबह ढाबा मालिक की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मणिपुर में प्रदर्शनकारियों ने खुद पर पेट्रोल डाला

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में मैतेई संगठन अरम्बाई टेंगोल के नेता करन सिंह को रविवार को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। उन पर 2023 में हिंसा भड़काने के आरोप है। इनकी गिरफ्तारी की खबर फैलने के बाद शनिवार देर रात मणिपुर में हिंसा भड़क गई थी। राजधानी इंफाल के कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों में आग लगा दी, सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर भी जलाए। सुरक्षाबलों पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर खुद को जलाने की भी कोशिश की। सरकार ने 7 जून की रात 11ः45 बजे से पांच दिनों के लिए 5 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस सस्पेंड कर दी है। इनमें इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर शामिल हैं। इंफाल ईस्ट और बिष्णुपुर में कर्फ्यू भी लगाया गया है। 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो आज भी जारी है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं।

आंध्र प्रदेश में मंत्री ने गुस्से में बुके फेंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की पिछड़ा वर्ग मंत्री सविता एस ने जिलाधिकारी पर गुस्सा करते हुए बुके (गुलदस्ता) फेंक दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना तीन दिन पहले की है। हालांकि इसका वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, मंत्री सविता पेंशन वितरण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थीं। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद जिलाधिकारी प्रभावती से पूछा कि पहले फेज में कितने फ्री गैस सिलेंडर बांटे गए। डीएम इस सवाल का सही जवाब नहीं दे सकीं। इससे नाराज होकर मंत्री ने बुके फेंक दिया जो कुछ देर पहले ही प्रभावती ने दिया था। इस विवाद पर मंत्री और जिला प्रशासन की ओर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सोशल मीडिया पर मंत्री के व्यवहार पर उठे सवाल वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर मंत्री के व्यवहार को लेकर बहस छिड़ गई है। कुछ लोगों ने मंत्री के गुस्से को गलत बताया तो कुछ ने अफसर की तैयारी पर सवाल खड़े किए। कई यूजर्स ने लिखा कि एक कैबिनेट मंत्री को सार्वजनिक कार्यक्रम में संयम बरतना चाहिए, भले ही जवाब न मिले। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि मंत्री की नाराजगी को जायज है। प्रशासन को योजनाओं के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

दिल्ली में 9 साल की बच्ची से रेप की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के नेहरू विहार इलाके में शनिवार रात सूटकेस में गंभीर रूप से घायल बच्ची मिली। बच्ची अर्धनग्न हालत में थी। बच्ची के परिवार का आरोप है कि रेप के बाद उसकी हत्या का प्रयास किया गया। बच्ची की उम्र नौ साल बताई जा रही है। पुलिस के बताया कि बच्ची के पिता उसे अस्पताल ले जा रहे थे। तब बच्ची बेहोश थी, अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

एनडीए सरकार ने 11 वर्षों में महिला-नेतृत्व वाले विकास को नए सिरे से परिभाषित किया: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की कई पहलों ने किसानों की समृद्धि को बढ़ावा दिया है और कृषि के परिवर्तन को सुनिश्चित किया है, उन्होंने अपनी सरकार के किसान समर्थक कार्यक्रमों के दूरगामी प्रभाव को रेखांकित किया।

अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ मनाने से एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (8 जून, 2025) को कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को फिर से परिभाषित किया है। नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनके कार्यकाल के पिछले 11 वर्षों के दौरान की गई पहलों से किसानों की समृद्धि बढ़ी है और कृषि क्षेत्र में

समग्र बदलाव सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने वादा किया कि किसानों के कल्याण के लिए उनकी सरकार के प्रयास आने वाले समय में और अधिक जोश के साथ जारी रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरे होने से एक दिन पहले रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने अपने 11 साल के कार्यकाल में महिला नीत विकास को पुनः परिभाषित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर कहा कि विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और लोगों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। उन्होंने कई कल्याणकारी कार्यक्रमों का हवाला देते हुए कहा कि इनसे महिलाओं को काफी लाभ हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत के माध्यम से गरिमा सुनिश्चित करने से लेकर जन धन खातों के जरिए वित्तीय समावेशन तक, विभिन्न पहलों में महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि जहां धुआं मुक्त रसोई प्रदान करते हुए उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को गैस सिलेंडर मिले, वहीं मुद्रा ऋण ने लाखों महिला उद्यमियों को खुद की शर्तों पर अपने सपने पूरे करने में सक्षम बनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं के नाम पर बने घरों ने भी उल्लेखनीय प्रभाव डाला है।

मोदी ने कहा कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम ने बालिकाओं की सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन की लौ जगाई। प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा संचालित उन पहलों संबंधी पोस्ट भी साझा किए जिनमें सरकारी योजनाओं द्वारा महिलाओं को दिए गए लाभों को सूचीबद्ध किया गया। इन पोस्ट में कहा गया है कि देश में जीवित जन्मों ('लाइव बर्थ') पर मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) 2011-13 में प्रति लाख 167 से घटकर 2019-21 में प्रति लाख 93 हो गया

सीजेआइ खन्ना ने जस्टिस वर्मा से इस्तीफा मांगा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना ने इनहाउस रिपोर्ट के आधार पर जस्टिस यशवंत वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा था। इसके लिए राजी ने होने पर सीजेआई खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर जस्टिस वर्मा को हटाने की सिफारिश की थी। यह जानकारी दी है। इससे पहले एएनआई ने बताया था कि केंद्र सरकार जस्टिस वर्मा को पद से हटाने के लिए संसद के मानसून सत्र में प्रस्ताव ला सकती है। कानूनी जानकारों के मुताबिक अगर वे इस्तीफा देते हैं तो उन्हें रिटायर्ड जज की तरह पेंशन और अन्य लाभ मिलेंगे।

बेंगलुरु भगदड़- पुलिस अफसर ने एक्स्ट्रा फोर्स मांगी थी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु भगदड़ केस में रविवार को नया खुलासा हुआ है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, डीसीपी एमएन करिबासवना गौड़ा ने 4 जून को विक्ट्री परेड से पहले राज्य सरकार को लेटर लिखकर चेतावनी दी थी। इसमें उन्होंने कहा था कि आरसीबी की फैन फॉलोइंग पूरे देश में है। अगर चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्रोग्राम होता है तो लाखों लोग वहां पहुंच सकते हैं। हमारे पास पर्याप्त पुलिस बल नहीं है, जिससे सुरक्षा इंतजाम करना मुश्किल होगा।

इस लेटर के सामने आने के बाद सरकार पर सवाल उठ रहे हैं कि जब पहले से ही खतरे की जानकारी थी, तो इतने बड़े आयोजन की इजाजत क्यों दी गई। दरअसल, 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम

के बाहर भारी भीड़ की वजह से भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 75 लोग घायल हो गए। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से 9 सवाल पूछे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत का जश्न मनाने के लिए परमिशन किसने दी? यह फैसला कब और कैसे लिया गया? क्या आयोजकों ने जरूरी परमिशन ली थी?

एनडीए की मजबूती के लिए 243 सीटों पर लड़ूंगा चुनाव-पासवान

भोजपुर (एजेंसी)। लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि लोग पूछते है चुनाव लड़ेंगे, तो हां चुनाव लड़ेंगे। 243 सीटों पर चुनाव लड़ूगा। मैं एनडीए की मजबूती के लिए बिहार की 243 सीटों पर चिराग पासवान बनकर चुनाव लड़ूंगा। मेरा लक्ष्य है कि हम एनडीए की जीत के लिए अग्रसर हों। आरा के रमना मैदान में रविवार को आयोजित नव संकल्प महासभा को चिराग पासवान संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि एनडीए की बड़ी जीत ही मेरा लक्ष्य है। मैं विधानसभा का चुनाव लड़ूंगा या नहीं। इन तमाम विषयों पर चर्चा

चल रही है। अंतिम मुहर पार्लियामेंट्री बोर्ड की तरफ से ही लगेगी। कुछ लोग मेरे चुनाव लड़ने को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। स्पष्ट तौर पर बता देना चाहता हूं कि अगर मैं विधानसभा का चुनाव लड़ूंगा तो उसके पीछे की सोच अपनी पार्टी के स्ट्राइक रेट को मजबूत करना होगा।

महाराष्ट्र में चुनावी फिक्सिंग के आरोप पर ईसी का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पिछले साल नवंबर में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में धांधली के आरोप लगाने के 24 घंटे बाद भी चुनाव आयोग को कोई पत्र नहीं लिखा है। न ही बैठक के लिए समय मांगा है। यह बात चुनाव आयोग से जुड़े एक सोर्स ने बताई। चुनाव आयोग ने कहा कि राहुल एक तरफ कहते हैं कि उनके बताए मुद्दे गंभीर हैं, लेकिन जब उन्हें चुनाव आयोग को लेटर लिखने की बात आती है, तो वे कतराते हैं। सूत्र के मुताबिक, प्रक्रिया के अनुसार कोई भी संवैधानिक संस्था औपचारिक रूप से तभी जवाब दे सकती है, जब राहुल गांधी से लेटर लिखेंगे। राहुल ने 7 जून इंडियन एक्सप्रेस को एक आर्टिकल लिखा था। इसमें उन्होंने दावा किया था था कि महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग हुई, अब इसी तरह की फिक्सिंग बिहार चुनाव

में भी होगी। राहुल गांधी ने शनिवार को ङ्ग पर लिखा था कि आप (चुनाव आयोग) एक संवैधानिक संस्था हैं। बिना साइन और टालमटोल वाले नोट जारी करके गंभीर सवालों के जवाब देने का तरीका सही नहीं है।

फडणवीस बोले-जनता ने राहुल को नकारा, वे जनादेश नकार रहे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिसे जनता ठुकरा देती है, वो जनादेश को ही ठुकरा देता है। फडणवीस ने रविवार को एक मराठी अखबार में लिखा, राहुल की नीति है कि अगर लोगों को समझा नहीं सकते, तो उन्हें उलझा दो।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है, इसलिए अब वो लोकतंत्र की छवि बिगाड़ने के लिए ईवीएम को दोष दे रहे हैं। अब तो विपक्षी दलों की ये आदत बन गई है कि हर चुनाव में ईवीएम पर सवाल

उठाते हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में इनसे जुड़ी सारी याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं।

राजस्थान में गुर्जर समाज के लोगों ने ट्रेन रोकी

भरतपुर (एजेंसी)। राजस्थान में गुर्जर महापंचायत खत्म होने के बाद समाज के लोगों ने भरतपुर के पीलूपुरा में ट्रेन रोक दी। भीड़ पटरियों पर पहुंची और कोटा-मथुरा पैसेंजर को रोक दिया। दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक को दो घंटे (4.30 से 6.30 बजे) तक जाम किया। इतना ही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने पटरी उखाड़ने की भी कोशिश की थी। मौके पर पहुंचे कलेक्टर-एसपी ने प्रदर्शनकारियों से समझाइश की और शाम साढ़े 6 बजे ट्रैक को खाली कराया। ट्रैक महापंचायत स्थल से मात्र डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर था। पूर्व के आंदोलनों में भी इस ट्रैक को कई बार जाम किया जा चुका है। इससे पहले आरक्षण समेत कई मांगों को लेकर भरतपुर के बयाना इलाके के कारवारी शहीद स्मारक (पीलूपुरा) पर रविवार को

हुई महापंचायत में सरकार की ओर से मांगों को लेकर ड्राफ्ट भेजा था। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने लोगों को वह पढ़कर सुनाया। समाज की सहमति के बाद महापंचायत को समाप्त कर दिया। इससे कई बाद कई लोगों ने सरकार के मसौदे का विरोध किया।

2027 में यूपी से भाजपा की विदाई तय और जनता इसके लिए पूरी तरह तैयार-अखिलेश यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ में छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस समारोह के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर कड़ी टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि बीजेपी की राजनीति झूठ और दुष्प्रचार पर आधारित है और उसका मातृ संगठन नागपुर का बिना पंजीकरण वाला संगठन है, जो समाज में नफरत और दूरी फैलाता है। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी ने अपने प्रचार में हिटलर के प्रचार मंत्री गोएबल्स को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने दावा किया कि 2027 में उत्तर प्रदेश से बीजेपी की विदाई तय है और जनता इसके लिए पूरी तरह तैयार हो चुकी है। इस मौके पर अखिलेश यादव ने छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों और उनकी विरासत को याद किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने बिना किसी भेदभाव के सभी धर्मों और समुदायों का सम्मान किया

9 दिन में कोरोना से 58 मौतें, 3423 केस बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शनिवार को 378 नए केस मिले हैं। इस तरह एक्टिव केसों की संख्या 6133 हो गई है। केरल में सबसे ज्यादा 1950 केस हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 9 दिन में 3423 कोरोना केस बढ़े, जबकि 58 लोगों ने जान गंवाई है। 30 मई तक देश में 2710 एक्टिव केस और 7 मौतें हुई थीं। देश में कोरोना वायरस के हर दिन करीब 400 नए केस सामने आ रहे और 5-6 मरीजों की मौत हो रही है। शनिवार को केरल में 3, कर्नाटक में 2 और तमिलनाडु में कोरोना से एक मौत हुई है। इधर, राज्य

में तेजी से बढ़ रहे केसों के बीच गुजरात सरकार ने कहा- हम कोविड से लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर और आईसीयू बेड की व्यवस्थाएं कर ली हैं। स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने कहा- मौजूदा वैरिएंट ोमिक्रॉन वायरस कोविड परिवार का ही है, लेकिन यह इतना गंभीर नहीं है। हम अलर्ट पर हैं, किसी भी स्थिति को नियंत्रित कर सकते हैं।

केरलः स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा के लक्षणों वाले मरीजों का इलाज करते समय जून 2023 में जारी की गई कोविड गाइडलाइन पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों में सभी को मास्क लगाना अनिवार्य है। साथ ही जुकाम, खांसी और बुखार जैसे लक्षण वाले मरीजों का कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है।

ज्योति और पंजाबी यूट्यूबर के हक में आया आईएसआई एजेंट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार रोपड़ (पंजाब) के यूट्यूबर जसबीर सिंह के पक्ष में अब पाकिस्तान का यूट्यूबर नासिर ढिल्लों आया है। उसने दावा किया है कि जसबीर सिंह बेकसूर है। इसके साथ ही उसने यह भी कहा कि वह ज्योति मल्होत्रा से कभी नहीं मिला। आरोप लगाया जा रहा है कि मैंने पाकिस्तान में सेना के अधिकारियों से ज्योति और जान महल को मिलाया, लेकिन ऐसी कोई बात नहीं है, क्योंकि मैं वहां नहीं था। मैं जांच में सहयोग के लिए तैयार हूं। मेरे दोनों मोबाइल की जांच कर लो। हालांकि, ढिल्लों ने कहा कि वॉट्सऐप पर उसकी जसबीर सिंह से बातचीत हुई। उसने बातचीत के अंश भी चैनल पर पेश किए। उसने यह भी माना है कि उसने कुछ समय पहले हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति का पॉडकास्ट किया था।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, कांग्रेस ने पीएम मोदी पर लगाया असंवेदनशीलता का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मणिपुर के कुछ हिस्सों में हिंसा की घटनाएं फिर से सामने आने के बीच रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राज्य के लोगों की पीड़ा के प्रति ''असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मणिपुर के लोगों का दर्द, पीड़ा और लाचारी अब भी थमने का नाम नहीं ले रही है, क्योंकि पिछले 24 घंटे में राज्य के पांच जिले इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्वी, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर फिर से हिंसा की चपेट में आ चुके हैं। पुलिस ने बताया कि मेइती संगठन के एक नेता अरम्बाई तेंगोल की गिरफ्तारी को लेकर हिंसक प्रदर्शन के

एक दिन बाद रविवार को भी स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। प्रशासन ने इंफाल घाटी के पांच जिलों में निषेधाज्ञा लागू कर दी और इंटरनेट सेवाएं स्थगित कर दी। इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्वी, थौबल, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में एहतियातन निषेधाज्ञा लागू की गई है तथा इन घाटी क्षेत्रों में वीसैट और वीपीएन सुविधाओं सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं। सरकार पर निशाना साधते हुए रमेश ने दावा किया, '' फरवरी 2022 में विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अकेले अपने दम पर बहुमत हासिल किया। लेकिन उस जनादेश के महज पंद्रह महीने बाद, तीन मई 2023 की रात से मणिपुर को जलने के लिए छोड़ दिया गया। सैकड़ों निर्दोष पुरुष, महिलाएं और बच्चे मारे गए। हजारों लोग विस्थापित हो गए। पूजा स्थलों को नष्ट कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने चार जून 2023 को तीन-सदस्यीय एक जांच आयोग का गठन किया। उन्होंने कहा कि आयोग को अपनी रिपोर्ट देने के लिए बार-बार समय-सीमा बढ़ाई गई है।

भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृखलाओं के केंद्र मे है, उसे जी-7चर्चा का हिस्सा होना ही चाहिए-मार्क कार्नी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा कई महत्वपूर्ण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का केंद्र बताते हुए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि इसके (भारतीय) नेतृत्व को आगामी जी-7 शिखर सम्मेलन में चर्चा का हिस्सा होना चाहिए। कार्नी की यह टिप्पणी कनाडा में उनके कुछ राजनीतिक विरोधियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जी-7 शिखर सम्मेलन में निमंत्रित करने को लेकर उनकी आलोचना किये जाने के बाद आई है।

वर्ष 2023 में एक खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या में भारतीय संबंधों के आरोपों की जांच चल रही है और ऐसे में मोदी को निमंत्रित करने पर कार्नी की उनके विरोधियों ने आलोचना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को फोन पर बातचीत के दौरान जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग

लेने के लिए कार्नी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया। कनाडा जी-7 के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में 15 से 17 जून तक अल्बर्टा प्रांत में इस समूह के सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। खालिस्तान समर्थक अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हुई हत्या के मामले में विशिष्ट प्रश्न पूछे जाने पर कार्नी ने संवाददाताओं से कहा कि इस मामले में कानूनी प्रक्रिया जारी है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना उनके लिए उचित नहीं है। कनाडाई प्रधानमंत्री ने कहा कि जी-7 शिखर सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल भविष्य, महत्वपूर्ण खनिजों और उभरते एवं विकासशील देशों में बुनियादी ढांचे के निर्माण में साझेदारी समेत कई प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।कार्नी ने सुझाव दिया कि उन्होंने जी7 के अन्य सदस्य देशों से बात करने के बाद मोदी को निमंत्रण दिया है। जब उनसे पूछा गया कि निज्जर की हत्या के मामले में भारतीय संबंधों का आरोप लगने के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी को क्यों आमंत्रित किया गया, तो उन्होंने कहा, ''कुछ ऐसे देश हैं जिन्हें इन चर्चाओं में शामिल होना चाहिए।%% उन्होंने कहा, ''भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, प्रभावी रूप से दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। (यह) आपूर्ति श्रृंखलाओं में से कई के केंद्र में है। (यह) इन आपूर्ति श्रृंखलाओं में से कई के मूल में है, इसलिए उन्हें निमंत्रण देना अर्थपूर्ण है।%% बिना विस्तार से चर्चा किये कार्नी ने कहा कि भारत और कनाडा कानून प्रवर्तन वार्ता जारी रखने पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''महत्वपूर्ण यह है कि द्विपक्षीय रूप से, हम अब कानून प्रवर्तन वार्ता जारी रखने के लिए सहमत हो गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पीयूष चावला ने लिया संन्यास, क्रिकेट के सभी फॉर्मेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली एजेंसी। पीयूष चावला ने क्रिकेट के हर प्रारूप से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। पीयूष चावला ने भारत के लिए 35 इंटरनेशनल मैच खेले थे जिसमें उन्होंने कुल 43 विकेट चटकाए थे। वो 15 साल से टीम इंडिया के बाहर थे और उन्होंने आखिरी मैच भारत का प्रतिनिधित्व टी20 प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ 2012 में वानखेड़े स्टेडियम में किया था। टीम इंडिया के 36 वर्षीय स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के हर प्रारूप से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। पीयूष चावला ने भारत के लिए 35 इंटरनेशनल मैच खेले थे जिसमें उन्होंने कुल 43 विकेट चटकाए थे। वो 15 साल से टीम इंडिया के बाहर थे और उन्होंने आखिरी मैच भारत का प्रतिनिधित्व टी20 प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ 2012 में वानखेड़े स्टेडियम में किया था।

स्टील, एल्युमीनियम पर अमेरिका में ऊंचे शुल्क से चिंतित है भारतीय निर्यातकः फियो

नई दिल्ली एजेंसी। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) ने अमेरिकी में स्टील और एल्युमीनियम पर आयात शुल्क को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की हाल की घोषणा पर चिंता व्यक्त की है और सरकार से भारतीय स्टील निर्यात की सुरक्षा के लिए अमेरिका के साथ कूटनीतिक प्रयास करने का आग्रह किया है। निर्यातकों का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ऐसी कारर्वाई से भारत के स्टील और एल्युमीनियम निर्यात, विशेष रूप से मूल्यवर्धित और तैयार स्टील उत्पादों और वाहनों के कल पुर्जों का निर्यात प्रभावित होगा भारत के निर्यातकों के शीर्ष मंच फियो के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि अमेरिकी स्टील और एल्युमीनियम आयात शुल्क में प्रस्तावित वृद्धि का विशेष रूप से स्टेनलेस स्टील पाइप, स्ट्रक्चरल स्टील कंपोनेंट और ऑटोमोटिव स्टील पार्ट्स जैसी अर्ध-तैयार और तैयार इस्पात उत्पादों के निर्यात पर प्रभाव पड़ेगा। ये उत्पाद भारत के बढ़ते इंजीनियरिंग निर्यात का हिस्सा हैं, और उच्च शुल्क अमेरिकी बाजार में हमारी मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता को कम कर सकते हैं। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका को लगभग 6.2 अरब डॉलर मूल्य के स्टील और तैयार स्टील उत्पादों का निर्यात किया, जिसमें इंजीनियड 'और फैब्रिकेटेड स्टील घटकों की एक विस्तृत श्रृंखला और लगभग 86 करोड़ डॉलर के एल्युमीनियम और उसके उत्पाद शामिल हैं। भारतीय स्टील निर्माताओं के लिए अमेरिका शीर्ष गंतव्यों में से एक है, जो उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के माध्यम से धीरे-धीरे बाजार हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं।

आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले इन युवाओं को मिल सकता है टीम इंडिया में अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के साथ ही समाप्त हो गया। साई किशोर, प्रभसिमरन सिंह सहित कुछ युवा अनकैप्ड क्रिकेटरों ने इस सत्र में अपनी अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इन युवा क्रिकेटरों को अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अवसर नहीं मिला है पर अब उम्मीद है कि आने वाले समय में इन्हें भारतीय टीम में जगह मिल सकती हैं। ये खिलाड़ी हैं साई किशोर, प्रभसिमरन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश दयाल और प्रियांश आर्या।

साई किशोर- इस सत्र में गुजरात टाइटंस की ओर से उतरे बाएं हाथ के स्पिनर साई किशोर ने अपनी सधी हुई गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। साई किशोर ने 15 मुकाबलों में 19 विकेट लिए। उन्हें जल्द ही टीम में जगह दी जा सकती है। प्रभसिमरन सिंह- आईपीएल-2025 में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए प्रभसिमरन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते हुए 17 मुकाबलों में 160.53 की औसत के साथ 549 रन बनाए। इसमें चार अर्धशतक शामिल रहे। वहीं पिछले सीजन में प्रभसिमरन 334 रन जड़े थे। ऐसे में उन्हें आने वाले दिनों में भारतीय टीम के शीर्ष क्रम में अवसर मिल सकता है।

वैभव सूर्यवंशी - राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए 14 साल के वैभव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का दिल जीत लिया। वैभव ने 296.56 की औसत के साथ 252 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शतक भी लगाया। वैभव को सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सत्र खिताब भी मिला। उन्हें भारत की अंडर-19 टीम में भी चुना गया है।

प्रियांश आर्या- पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए इस युवा खिलाड़ी ने 17 मैच खेले, जिसमें 475 रन बनाए। इस दौरान प्रियांश ने शतक और दो अर्धशतक लगाये।

यश दयाल - आरसीबी की ओर से बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने गेंदबाजी की विविधता से बल्लेबाजों को परेशान कर दिया। दयाल नई गेंद और डेथ ओवर्स के एक अच्छे गेंदबाज के तौर पर पर उभर रहे हैं। आईपीएल-2022 में यश ने नौ मैच में 11 विकेट लिए। आईपीएल-2024 में यश ने 15 विकेट लिए। यही वजह रही कि नीलामी में यश को पांच करोड़ रुपये में बरकरार रखा गया। उन्होंने इस सत्र में 13 विकेट लिए।

आईपीएल के इस सत्र से विराट ने 27 करोड़ से अधिक कमाये

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल रहे। विराट का इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और उन्होंने 657 रन बनाये। विराट आईपीएल की शुरुआत साल 2008 से ही आरसीबी के साथ हैं। वहीं कमाई की बात करें तो विराट ने इस सत्र से करीब 27 करोड़ रुपये कमाये हैं। विराट कोहली को आरसीबी ने मेगा नीलामी से पहले ही 21 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। वह हेनरिक क्लासेन 23 करोड़ के बाद रिटेन होने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी थे। आईपीएल में खिलाड़ियों को वेतन के अलावा मैच फीस भी मिलती है। एक मैच खेलने के लिए खिलाड़ी को साढ़े 7 लाख रुपये मिले। इस सत्र में विराट ने ग्रुप राउंड में 13 मुकाबले खेले। इसके अलावा प्लेऑफ में क्वालिफायर-1 और फाइनल खेला। इस तरह उनके कुल 15 मुकाबले हो गए। इसके लिए उन्हें एक करोड़ 12 लाख पचास हजार रुपये की राशि मिली। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल इनामी राशि का 30 फीसदी खिलाड़ियों के बीच बांट दिया जाता है। आरसीबी में 22 खिलाड़ी हैं और इस तरह विराट के हिस्से में करीब 27 लाख रुपये आएंगे। वहीं लीग के दौरान इंडोर्समेंट से भी विराट की कमाई करीब 5 करोड़ रुपये हुई। इस तरह आईपीएल 2025 के दौरान विराट ने लगभग 27 करोड़ 40 लाख रुपये कमा लिए। इस प्रकार हर एक मैच के लिए उन्हें एक करोड़ 83 लाख रुपये मिले।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में तीन मैचों में ही उतारे जाएंगे बुमराह - गंभीर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। गंभीर के अनुसार अभी ये तय नहीं है कि बुमराह किन तीन मैचों में खेलेंगे। साथ ही कहा कि ये काफी हद तक उनके सीरीज के परिणामों पर निर्भर करेगा। गंभीर के अनुसार बुमराह खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं पर उनकी फिटनेस का ध्यान रखते हुए उनपर जरुरत से ज्यादा बोझ नहीं डाला जाएगा। गंभीर ने कहा कि भारतीय टीम के पास ऐसे काफी गेंदबाज हैं, जो कठिन हालात में भी टीम को जीत दिला सकते हैं। इसलिए बुमराह को हर मैच में उतारना जरुरी नहीं है। गंभीर ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे पास कई तेज गेंदबाज शानदार फॉर्म में हैं। साथ ही कहा कि जब आपके पास बुमराह जैसा गेंदबाज हो, तो यह देखना शानदार होगा कि वह कितने मैच खेलते हैं। यह हमारे लिए एक विशेष अनुभव होगा। हालांकि, गंभीर ने यह भी माना कि बुमराह की जगह लेना आसान नहीं है पर कहा कि हमारे पास कई योग्य गेंदबाज उपलब्ध हैं। इससे अंदाजा होता है कि इस टीम में गहराई है और वह किसी एक खिलाड़ी पर ही नहीं टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि हम एक अच्छी स्थिति में हैं जिससे सभी खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं। यह कुछ विशेष करने का एक और अवसर है। टेस्ट के पिछले खराब प्रदर्शन से उबरते हुए टीम आगे बढ़ने के लिए तैयार है। कोच के अनुसार टीम के पास कई नई प्रतिभाएं हैं जिनके पास इस सीरीज में अपने को साबित करने का अवसर है।

गोल्ड लोन नियमों में हुआ बड़ा बदलाव किन्हें मिलेगा फायदा, क्या होगा असर?

नई दिल्ली एजेंसी। बिजनेस डेस्कः भारतीय रिजर्व बैंक ने छोटे उधारकर्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से गोल्ड लोन नियमों में अहम बदलाव किया है। अब 2.5 लाख तक के गोल्ड लोन पर लोन-टू-वैल्यू रेशियो को 75 प्रशिता से बढ़ाकर 85 प्रशिता कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अब सोने के बदले आपको पहले से ज्यादा लोन मिल सकेगा और कागजी प्रक्रिया भी आसान हो गई है। 2.5 लाख तक के गोल्ड लोन पर अब क्रेडिट एप्रेज़ल की जरूरत नहीं होगी यानी आपकी इनकम या क्रेडिट स्कोर की गहराई से जांच नहीं की जाएगी। LTV बढ़ाकर 85 प्रशिता कर दिया गया है यानी अगर आपके पास 1 लाख का सोना है, तो अब आपको 85,000 तक का लोन मिल सकता है, जबकि पहले केवल 75,000 ही मिलता था। छोटे व्यापारी, किसान, गृहिणियां और वे लोग जिन्हें तत्काल नकदी की जरूरत है - उनके लिए यह फैसला वरदान साबित हो सकता है। कम दस्तावेजों में लोन की मंजूरी से लोन लेना और भी आसान हो जाएगा। RBI का यह फैसला ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में छोटे कर्ज की लिक्विडिटी बढ़ाने में मदद करेगा।

शुभमन को अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना होगा : पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल को अपनी टेस्ट बल्लेबाजी पर ध्यान देना होगा। शुभमन को इंग्लैंड दौरे के लिए कप्तान बनाया गया है। पोंटिंग के अनुसार उसे उसे बल्लेबाजी क्रम में चौथे नंबर पर उतरना चाहिए। विराट कोहली के संन्यास के बाद चौथे नंबर पर शुभमन के उतरने से लाभ होगा। पोंटिंग ने कहा कि कप्तानी के शुरूआती दौर में शुभमन इस क्रम पर उतर सकते हैं। पोंटिंग ने कहा, 'गिल का सफेद गेंद के प्रारूप में फॉर्म काफी अच्छा पर पर उसे टेस्ट बल्लेबाजी में भी अपवे को साबित करना होगा। साथ ही कहाक कि अगर आप नए कप्तान हैं तो यह आसान नहीं होता। नए कप्तान के लिए अपनी बल्लेबाजी को लेकर सोचना कठिन रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय चयन समिति ने उसे कप्तान बनाकर सही फैसला लिया है। साथ ही कहा कि शुभमन अभी युवा हैं और लंबे समय तक कप्तानी कर सकते है। उन्होंने कहा, 'पिछले सत्र में जब रोहित ने सिडनी टेस्ट नहीं खेलने का फैसला किया तो मेरा ध्यान उन्हें कप्तान बनाने को लेकर गया था पर त ब जयप्रीत बुमराह को कप्तानी दे दी गयी थी। बुमराह की फिटनेस को लेकर आशंका थी और उस मैच के दौरान ही वह चोटिल हो गए थे।

पोंटिंग ने यह भी कहा कि शुभमन को टेस्ट मैच बल्लेबाजी के लिए मानसिक पक्ष पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे महान टेस्ट बल्लेबाज भी हुए हैं जिनकी रक्षात्मक तकनीक उतनी अच्छी नहीं थी पर वे सफल रहे। इसके लिए आपको अपने स्ट्रोक्स पर नियंत्रण रखना होगा।

बेंगलुरु भगदड़ मामले में आरसीबी के 3 अधिकारी गिरफ्तार

बेंगलुरु एजेंसी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरा हुई भगदड़ ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। इस दुखद हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। इस घटना ने ने केवल खेल प्रेमियों, बल्कि पूरे कर्नाटक को गहरे सदमे में डाल दिया। वहीं हादसे के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सख्त कदम उठाते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। शुक्रवार को बेंगलुरु पुलिस ने आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसले, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क की सीनियर इवेंट मैनेजर किरण कुमार और वाइस प्रेसिडेंट सुनील मैथ्य को गिरफ्तार कर लिया। ये हादसे तब हुआ जब आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के लिए स्टेडियम के बाहर हजारों फैंस जमा हुए थे। जश्न का आयोज आरसीबी, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से किया गया था। लेकिन भीड़ प्रबंधन में भारी चूक और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ये उत्सव एक त्रासदी में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था और आयोजकों ने भीड़ की संख्या का सही आकलन नहीं किया था। सीएम सिद्धारमैय ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए। उन्होंने इस हादसे की जांच के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में एक एकल-न्यायिक आयोग गठित करने का ऐलान किया। आयोग को 30 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही, सीएम ने बेंगलुरु पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इनमें बेंगलुरु पुलिस आयुक्त बी. दयानंद, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार विकास, डीसीपी शेखर एच टेक्कनवर, कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर और अन्य निचले स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

शुभमन बोले, बल्लेबाजी क्रम को लेकर अभी कोई फैसला नहीं किया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे से पहले बातचीत के दौरान कहा कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से टीम पर दबाव होगा पर ये नई बात नहीं है क्योंकि हर दौरे में दबाव होता है। उन्होंने माना कि इन दो दिग्गजों की कमी पूरी करना संभव नहीं है पर टीम में शामिल सभी खिलाड़ी दबाव के बीच खेलने के आदी हैं। वहीं शुभमन ने बल्लेबाजी क्रम को लेकर कहा कि इसका फैसला इंग्लैंड में ही होगा। उन्होंने बताया कि हमने अभी तक बल्लेबाजी क्रम को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं किया है। हम लंदन में 10 दिन के कैंप के बाद आपस में ही एक मुकाबला खेलेंगे। उसी के बाद ये तय होगा। साथ ही कहा कि वहां जाकर हम बल्लेबाजी संयोजन भी तय करेंगे। इससे साफ है कि वह हालातों के अनुसार काम करना चाहते हैं। वहीं कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने को लेकर शुभमन ने कहा कि इससे मैं अभिभूत हूं। उन्होंने कहा, मेरी कोई खास शैली नहीं है। जैसे-जैसे मुझे अनुभव मिलेगा, मेरी अपनी शैली निकलकर सामने आएगी। मैं खिलाड़ियों के साथ बातचीत कर फैसले लेना चाहता हूं। मेरे लिए खिलाड़ियों के साथ बंधन बनाना सबसे जरुरी है। इसके साथ ही उनकी कमजोरियों को समझना और उन्हें सुरक्षित महसूस कराना भी जरूरी है, जिससे वे अपना 100 फीसदी दे सकें। वहीं ड्यूक बॉल से खेलने को लेकर कहा कि यह व्यक्तिगत पसंद है। खिलाड़ियों की पहली प्राथमिकता अपनी टीम के लिए खेलना है। कुछ खिलाड़ी ड्यूक बॉल के साथ सहज हो सकते हैं पर ये उनकी पसंद पर निर्भर करता है। शुभमन का यह बयान दिखाता है कि वह खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेलने की आजादी देने और उनकी ताकत को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हैं। इससे तय है कि शुभमन एक ऐसी टीम बनाना चाहते हैं, जहां खिलाड़ी बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं।

बैंकिंग-ऑटो शेयर चमके, निवेशकों की झोली में आए 2.21 लाख करोड़

मुम्बई एजेंसी। बिजनेस डेस्कः भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति द्वारा रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की घोषणा के बाद शुक्रवार को शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। कमजोर शुरुआत के बावजूद BSE सेंसेक्स 800 अंक चढ़कर 82,243 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 265 अंकों की तेजी के साथ 25,016 पर पहुंच गया। बैंकिंग, फाइनेंस और ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली। निवेशकों का भरोसा बढ़ा और बाजार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ा, जिससे कई दिग्गज कंपनियों के शेयर चमक उठे। इस तेजी से BSE पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 2.21 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 449.71 लाख करोड़ रुपए हो गया। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में रेपो रेट को 6.00 प्रतिशत से घटाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया गया। यह लगातार तीसरी बार है जब RBI ने ब्याज दरों में कटौती की है। इसके साथ ही नीतिगत रुख को से बदलकर 'Neutral' कर दिया गया है, जो दर्शाता है कि अब RBI आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति दोनों पर संतुलन बनाए रखेगा।

CRR में 1 प्रतिशत की कटौती, रियल्टी और ऑटो शेयरों में उछाल

MPC ने कैश रिजर्व रेशियो को भी 100 बेसिस पॉइंट घटाकर 3त्न कर दिया, जिससे बैंकों के पास अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी और कर्ज देने की क्षमता बढ़ेगी।

आकाश चोपड़ा ने अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी

शुभमन और पाटीदार को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने आईपीएल 2025 की अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी है। हैरानी की बात ये है कि चोपड़ा की इस टीम में शुभमन गिल और रजत पाटीदार को जगह नहीं मिली है। गुजरात टाइटंट के कप्तान शुभमन ने जहां आईपीएल में 650 रनों के साथ ही सबसे अधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। वहीं रजत की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पहली बार खिताब जीतने में सफलता हासिल की। चोपड़ा ने अपनी टीम में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और आरसीबी में शामिल रहे विराट कोहली को सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया। सुदर्शन ने इस सत्र में सबसे अधिक 759 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीती है। वहीं कोहली ने 15 मैचों में 657 रन बनाये हैं और वह सबसे अधिक रनों के मामले में तीसरे नंबर पर हैं। आकाश ने कहा, सबसे पहले मैंने सुदर्शन को अपनी टीम में रखा है। उसने काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने आगे कहा, मेरी टीम में सुदर्शन के साथ विराट होंगे। विराट का प्रदर्शन भी बहुत अच्छा रहा। उन्होंने घर से बाहर ज्यादातर मैचों में अर्धशतक बनाए। उन्होंने जब भी अर्धशतक लगाया तो टीम जीती। उन्होंने अहम भूमिका निभाई। इस साल उनकी बल्लेबाजी में बदलाव भी दिखा। आकाश ने गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर 538 रन को तीन और चौथे नंबर पर पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर 604 रन को रखा है। वहीं पांचवें नंबर पर मुंबई इंडियंस के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को रखा है। सूर्या ने 16 मैचों मे 717 रन बनाए। वह सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे। आकाश ने छठे नंबर पर डेवाल्ड ब्रेविस को रखा, जिन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में विकल्पव के रूप में आने के बाद जबरदस्त खेल दिखाया। उन्होंने 6 मैचों में 180.00 के स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाये। उनके बाद आरसीबी के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या का नंबर है। उन्होंने 224 रन बनाने के अलावा 17 विकेट भी लिए। मुम्बई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 18 विकेट लिए हैं उन्हें आठवें और चेन्नई के स्पिनर नूर अहमद को 24 विकेट के कारण नौवें पायदान पर रखा है। आरसीबी के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को 22 विकेट ओर पर्पल कैप विजेता प्रसिद्ध कृष्णा को सबसे अधिक 25 विकेट के लिए 10 वें और 11 वें स्थान पर रखा है। आकाश चोपड़ा की आईपीएल 2025 की सर्वश्रेष्ठ टीम = साई सुदर्शन, विराट कोहली, जोस बटलर, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, क्रुणाल पांड्या, जसप्रीत बुमराह, नूर अहमद, जोश हेजलवुड, प्रसिद्ध कृष्णा।

मुख्यमंत्री आज रीवा आकर भोपाल जायेंगे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 जून को शाम 6 बजे हेलीकाप्टर द्वारा ब्यौहारी से रीवा एयरपोर्ट पहुंचेगे। तदुपरांत मुख्यमंत्री जी शाम 6.10 बजे रीवा एयरपोर्ट से वायुयान द्वारा भोपाल रवाना होंगे।

कलेक्टर आज करेंगी टीएल पत्रों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल 9 जून को कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में टीएल पत्रों की समीक्षा करेंगी। बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण, जल गंगा संवर्धन अभियान, पेयजल व्यवस्था तथा बाढ़ नियंत्रण की समीक्षा की जायेगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

संभाग स्तरीय नजूल भूमि निवर्तन समिति की बैठक 9 जून को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बी एस जामोद की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय नजूल भूमि निवर्तन समिति की बैठक 9 जून को आहूत की गई है। कमिश्नर कार्यालय में सुबह 11.30 बजे से आयोजित बैठक में रीवा एवं सिंगरौली जिले के प्रस्तुत भूमि निवर्तन संबंधी प्रकरणों पर निर्णय लिया जाएगा। बैठक में कलेक्टर रीवा एवं सिंगरौली, अपर आयुक्त, संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम निवेश तथा जिला पंजीयन रीवा उपस्थित रहेंगे।

संयुक्त बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उत्तरप्रदेश एवं मध्यप्रदेश के अधिकारियों की संयुक्त बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक गूगल मीट के माध्यम से 9 जून को सुबह 11.30 बजे से कमिश्नर कार्यालय में आयोजित की गई है। बैठक में कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी राजेश सिंह, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी कमिश्नर कार्यालय स्थित एनआईसी से वीडियो कान्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे।

पहाड़िया कचरा प्लांट में मजदूर झुलसा, गंभीर

कांग्रेस प्रवक्ता बोले- बिना प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण के काम करवा रहे, यह लापरवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पहाड़िया कचरा प्लांट में एक मजदूर हादसे में गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कांग्रेस ने प्लांट प्रबंधन पर लापरवाही और मजदूरों की सुरक्षा में कमी के आरोप लगाए हैं।

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने बताया कि 6 जून को सफाई कर्मचारी श्रीलाल कुहार को बिना प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण के आग से भरी भट्टी में काम करने को मजबूर किया गया। मना करने पर उसे नौकरी से निकालने की धमकी दी गई। कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष कुंवर सिंह पटेल और विनोद शर्मा ने कहा कि एक महीने में प्लांट में तीन लोग जल चुके हैं। उन्होंने सवाल किया कि कर्मचारियों को बिना प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण के काम क्यों करवाया जा रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने घायल कर्मचारी के इलाज और उसके परिवार की देखभाल की जिम्मेदारी की मांग की है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी की है। उन्होंने कहा कि अगर श्रमिकों को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन किया जाएगा। वहीं कचरा प्लांट प्रबंधन ने इन सभी आरोपों को निराधार बताया है।

रीवा मेडिकल कॉलेज में योगाभ्यास के साथ शुरू हुआ सर्जिकल सप्ताह

15 जून तक चलेगा कार्यक्रम, 14 जून को रक्तदान शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में 8 जून से सर्जिकल सप्ताह की शुरुआत हो गई है। यह अभियान 15 जून तक चलेगा, जिसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज, ब्लड डोनेशन कैंप और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार सुबह 6 बजे मेडिकल कॉलेज परिसर के पार्क में योग सत्र से हुई। यह आयोजन आम लोगों और मेडिकल स्टाफ को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रखा गया था। 9 और 10 जून को अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल छात्रों के लिए सर्जिकल क्विज प्रतियोगिता होगी। इससे छात्रों को सर्जरी से जुड़ी जानकारी बढ़ाने का मौका मिलेगा।

डायबिटिक मरीजों के लिए स्कैनिंग: 9 जून को सुबह 10 बजे से डायबिटिक फुटकेयर स्कैनिंग कैंप लगाया जाएगा, जिसमें मधुमेह से पीड़ित लोगों के पैरों की जांच की जाएगी ताकि समय रहते उपचार किया जा सके।

14 जून को रक्तदान शिविर: कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 14 जून को आयोजित होने वाला रक्तदान शिविर है। इससे अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

आम लोगों को समय पर इलाज के लिए प्रति प्रेरित करना है: डॉ. बृजेश सिंह ने बताया कि सर्जिकल सप्ताह के दौरान कैंसर जागरूकता सहित कई बीमारियों को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। इसका उद्देश्य आम लोगों को समय पर इलाज और जांच के प्रति प्रेरित करना है। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ मेडिकल छात्रों और आम नागरिकों के लिए भी उपयोगी साबित होगा।

वीडियो वायरल होने के बाद ईई टीपी गुर्दवान निलंबित

इंजीनियर का वीडियो वायरल, बोला- बड़े अफसरों को बस पैसा चाहिए

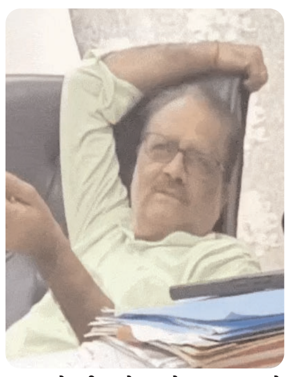

रीवा में यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-1 के प्रभारी कार्यपालन यंत्री (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर) टीपी गुर्दवान का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह कहते नजर आ रहे हैं कि केस कोई भी हो, बड़े अफसरों को माल (पैसा) देना पड़ता है। सरकारी सिस्टम में भ्रष्टाचार है। जांच अधिकारी लेन-देन कर मामले को रफा-दफा कर देंगे। फर्जी डिग्री वाले मामले में शिकायत वापस ले लो। बता दें कि टीपी गुर्दवान की एएमआईई की डिग्री फर्जी होने का आरोप है। इस मामले की जांच भी चल रही हैं। आरटीआई एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी ने आरटीआई के जरिए उनकी सर्विस बुक और डिग्री संबंधित दस्तावेज मांगे थे।

वीडियो में कार्यपालन यंत्री आरटीआई एक्टिविस्ट द्विवेदी से सर्विस बुक और फर्जी डिग्री मामले से संबंधित दस्तावेजों को बाहर न उछालने की बातें करते नजर आ रहे हैं। वह शिकायतकर्ता से आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों को दबाने की बात कह रहे हैं।

मामले में कमिश्नर रीवा संभाग की फाइनल जांच रिपोर्ट महीने भर पहले ही प्रमुख सचिव ग्रामीण विकास विभाग मध्य प्रदेश शासन दीपाली रस्तोगी को भेजी जा चुकी है। लेकिन अब तक कार्यवाही ना होने से इस प्रकार के वायरल वीडियो में कही गई बात कहीं न कहीं सच साबित होती नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि वीडियो वायरल होने के बाद ईई टीपी गुर्दवान को निलंबित कर दिया गया है।

जिसे डिप्टी सीएम ने शेयर किया वह वीडियो फर्जी निकला

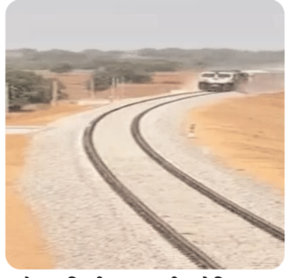

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल से रविवार दोपहर एक वीडियो पोस्ट किया गया, जिसमें रीवा-सिंगरौली रेल लाइन पर ट्रैक परीक्षण का दावा किया गया था। लेकिन बाद में सामने आया कि वीडियो कर्नाटक के कुश्तगी रेलवे स्टेशन का है, न कि रीवा का।

पोस्ट में लिखा गया था कि "रीवा-सिंगरौली रेलमार्ग पर डब्लूडीपी 4-डी इंजन ने सफल ट्रायल पूरा किया है। यह केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि विंध्य क्षेत्र के विकास की दिशा में सशक्त संकेत है।"

लेकिन वायरल वीडियो दरअसल 30 मार्च 2023 को कर्नाटक के कुश्तगी स्टेशन पर हुए हाई स्पीड सीआरएस इंस्पेक्शन का है। रीवा रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर सतेंद्र सिंह बघेल ने पुष्टि की कि "वीडियो रीवा का नहीं है, यह कहीं और का है।"

वीडियो पोस्ट किए जाने के करीब दो घंटे बाद डिप्टी सीएम ने पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन तब तक 40 हजार से ज्यादा लोग वीडियो देख चुके थे।

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने डिप्टी सीएम पर हमला करते हुए कहा - "डिप्टी सीएम नकली पोस्ट कर नकली विकास दिखाना चाहते हैं। इस पोस्ट में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को टैग कर उन्हें भी झूठ की कतार में खड़ा कर दिया। जनता को समझना चाहिए कि इसी तरह बाकी विकास की बातें भी नकली और खोखली हैं।" इस पूरे मामले पर डिप्टी सीएम कार्यालय की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन विपक्ष ने इसे लेकर सरकार की साख पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

बाइक सवार एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

बाइक सवार एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर : रीवा शहर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की घटना स्थल पर मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। जानकारी के मुताबिक लउआ में शादी समारोह में शामिल होने के बाद बाइक से दो युवक खैरी नई बस्ती की ओर जा रहे थे तभी दुर्घटना का शिकार हो गए। मृतक की पहचान कोलहई लालगांव निवासी संदीप साकेत के रूप में की गई है। परिजनों के मुताबिक संदीप अपने साथी सतीश साकेत को खैरी चोरहटा छोड़ने बाइक से जा रहा था। तभी बीती देर रात करीब 2 बजे जब बाइक सवार दोनों युवक इटौरा बाईपास के समीप पहुंचे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। हादसे में संदीप साकेत की मौत हो गई है जबकि सतीश साकेत की हालत गंभीर बनी हुई है। जिसका उपचार रीवा के संजय गांधी अस्पताल में चल रहा है।

बैकुंठपुर ने तेज रफ्तार बोलेरो ने राह चलते व्यक्ति को मारी टक्कर : रीवा जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मझगवां में एक तेज रफ्तार बोलेरो ने राह चलते व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल रीवा लाया गया है। जानकारी के मुताबिक घायल विनोद कुमार विश्वकर्मा कुल्फी बेचकर और कबाड़ बिनकर अपने परिवार का भरण पोषण करते है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।